राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, 06जून-2021 वर्ष-4, अंक -133पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

महाराष्ट्र का 5 लेवल वाला नया अनलॉक प्लान, सोमवार से कहां छूट-कहां प्रतिबंध

मुंबई। कोरोना वायरस से सबसे बुरी तरह से तबाह महाराष्ट्र ने अब पाबंदियों की जद से निकलने का फैसला कर लिया है। महाराष्ट्र ने सोमवार से पांच स्तरीय अनलॉक योजना की घोषणा की है, जो राज्य में कोविड पॉजिटिविटी दर और ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता पर आधारित होगी। राज्य सरकार ने शुक्रवार को राज्य को फिर से खोलने के लिए पांच-स्तरीय अनलॉक योजना जारी की थी। इसे अब सोमवार से लागू कर दिया जाएगा। जिलों में कोविड-19 की गंभीरता के स्तर के अनुसार छूट की सीमा तय की गई है। गाइडलाइंस के मुताबिक लोक स्वास्थ्य विभाग हर गुरुवार को स्थिति का आकलन करेगा। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के मुताबिक, अनलॉक के लेवल 1 में सबसे कम प्रतिबंध हैं जबकि लेवल 5 में सबसे अधिक प्रतिबंध होंगे। या यूं करें तो लेवल पांच में लॉकडाउन जैसे ही हालात रहेंगे। तो चलिए जानते हैं किस लेवल में क्या छूट रहेगी और क्या नहीं।

अनलॉक लेवल -1-लेवल 1 में 5 प्रतिशत से कम की पॉजिटिविटी रेट वाले क्षेत्रों में और 25 प्रतिशत से कम ऑक्सीजन बेड वाले क्षेत्रों में प्रतिबंध लगाए जाएंगे। साथ ही आवश्यक और गैर-जरूरी दोनों तरह की वस्तुओं की बिक्री करने वाली दुकानें और बाहरी गतिविधियों के लिए मॉल और थिएटर, रेस्तरां और सार्वजनिक स्थान खुले रहेंगे। इसके अलावा, प्राइवेट और सरकारी दफ्तर खुलेंगे और शादी-विवाह, अंतिम संस्कार को भी नियमित रूप से करने की इजाजत होगी। लोकल ट्रेनें भी नियमित तौर पर चलेंगी।

अनलॉक लेवल-2- लेवल टू का पालन वहां किया जाएगा जहां पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत से कम है और ऑक्सीजन बेड की ऑक्युपेंसी 25 से 40 प्रतिशत के बीच है। इसमें पाबंदियां लेवल 1 की तरह होंगी, लेकिन थिएटर, जिम, शादी और रेस्टोरेंट में 50 फीसदी ऑक्यूपेंसी की ही इजाजत होगी। यानी इन जगहों पर 50 फीसदी लोगों की क्षमता ही स्वीकार्य है। इसमें लोकल ट्रेनों की सेवा प्रतिबंधित रहेगी।

ट्विटर ने उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू के निजी हैंडल से हटाया ब्लू टिक

विवाद बढ़ा तो किया बहाल

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग साइट और केंद्र के बीच विवाद गहराता जा रहा है। सोशल मीडिया की नई गाइडलाइंस लागू नहीं करने को लेकर पिछले दिनों जमकर बवाल मचा था। इसी बीच कंपनी ने एक और विवाद को जन्म दे दिया है। ट्विटर ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के ट्विटर अकाउंट को अनवेरिफाइड कर उससे ब्लू टिक हटा दिया है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष अधिकारियों के निजी हैंडल को भी अनवेरिफाइड कर दिया है। आरएसएस के सह-सरकार्यवाह (ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी) अरुण कुमार, संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेश सोनी समेत अन्य नेताओं के निजी हैंडल से ब्लू टिक हटाया गया है। इस खबर को लेकर

लोगों ने कंपनी के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। यूजर्स ने कहा कि यह लोकतंत्र पर हमला है। भाजपा नेता ने

> माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने भारत सरकार की नई सोशल मीडिया गाइडलाइन लागू करने के लिए भले ही राजी हो गया है, लेकिन इससे पहले एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। ट्विटर ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू समेत आरएसएस के कई पदाधिकारियों के ट्विटर अकाउंट को अनवेरिफाइड कर उससे ब्लू टिक हटा दिया है।

कहा कि ट्विटर ने उपराष्ट्रपति के ट्विटर हैंडल से ब्लू टिक हटाकर भारत के संविधान पर हमला बोला है। हालांकि कई यूजर्स का कहना है कि काफी लंबे समय से यह एक्टिव नहीं था इसलिए कंपनी ने अनवेरिफाइड किया है।

लोगों ने जताई नाराजगी

ट्विटर की शर्तों के मुताबिक यदि कोई यूजर्स अपने हैंडल का नाम बदलता है या किसी का अकाउंट डेड और अधूरा हो जाता है। इसके अलावा यूजर शुरू में जिस नाम से अपना अकाउंट बनाया था, उस दौरान कंपनी की ओर सत्यापित किया जाता है, लेकिन काफी समय बाद तक वह चालू नहीं रहता तो उस स्थिति में कंपनी उसे अनवेरिफाइड कर देती है। ट्विटर द्वारा नेताओं के अकाउंट अनवेरिफाइड करने को लेकर लोग कंपनी के विरुद्ध खासे नाराज दिख रहे हैं।

ट्विटर ने नई गाइडलाइंस मानी

बता दें कि ट्विटर भारत सरकार की सोशल मीडिया कई नई गाइडलाइन मानने को तैयार हो गया है। बीते दिनों ट्विटर ने दिल्ली हाई कोर्ट में बताया कि उसने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 का अनुपालन कर लिया है और 28 मई को ही उसने शिकायत अधिकारी को भी नियुक्त कर दिया है।

तीसरी लहर के डर से बच्चों को बेवजह मत खिलाएं दवा, खतरनाक हो सकता है नतीजा

नई दिल्ली। भारत में संभावित तीसरी लहर को बच्चों के लिए अधिक खतरनाक माना जा रहा है। इस खबर ने आम अभिभावकों के बीच डर पैदा कर दिया है जिससे वे बच्चों की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए तमाम तरह के नुस्खे अपना रहे हैं। बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली में रखकर ही उनकी इम्युनिटी मजबूत की जा सकती है, इसके लिए अलग से दवाएं लेने की आवश्कता नहीं है। उनका कहना है कि तीसरी लहर के डर से बच्चों को बहुत ज्यादा दवाएं देना खतरनाक साबित हो सकता है।

निश्चित दिनचर्या होना जरूरी-बालरोग विशेषज्ञों का कहना है कि लॉकडाउन में बच्चों की लाइफस्टाइल पूरी तरह बदल गया है। वे देर तक सोते हैं और फिर खाने-पीने का सिस्टम भी गड़बड़ा जाता है। ऐसे में जरूरी है कि उनके सोने, उठने, पढ़ने से लेकर भोजन करने और खेलने का समय नियत रहना जरूरी है। तब वे छुट्टी वाले मोड से बाहर आएंगे। इससे शारीरिक प्रक्रियाओं का चक्र नहीं बिगड़ेगा।

दवाएं नहीं पौष्टिक भोजन बढ़ाएगा इम्युनिटी-जेके लोन अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ सीनियर प्रोफेसर डॉ. आरके गुप्ता बताते हैं कि बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कोई अलग से दवाएं नहीं आतीं। इसके लिए शारीरिक गतिविधियां बहुत जरूरी है। बच्चों को जंक फूड या बाहर का पैक्ड भोजन नहीं दें और अधिक से अधिक फल खिलाएं। घर का बना ताजा भोजन ही सबसे पौष्टिक आहार है।

पूरी नींद के लिए स्क्रीन टाइम कम कर दें

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने हाल में पाया कि जो बच्चे ज्यादा देर तक मोबाइल या टीवी देखने में समय बिताते हैं, उनकी नींद उतनी ज्यादा असंतुलित होती है। इसका सीधा असर बच्चे की प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। बच्चों को आठ से दस घंटों तक नींद लेना जरूरी है, इसलिए उन्हें समय पर सुलाने और जगाने की आदत डालें।

बहुत अधिक काढ़ा बीमार कर देगा-

बच्चों की प्रतिरक्षा क्षमता वयस्कों के मुकाबले अधिक होती है, यही कारण है कि उन पर कोरोना संक्रमण का खतरा बुजुर्ग-वयस्कों के मुकाबले न्यूनतम होता है। उन्हें बहुत गर्म औषधियों व अन्य घरेलू नुस्खों से दूर रखें। काढ़ा पीने से कोरोना संक्रमण में बचाव के अब तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण सामने नहीं आए हैं।

बच्चों के लिए दूसरा टीका-एम्स के डायरेक्टर बोले-

देश में बच्चों को फाइजर की वैक्सीन लगाई जा सकेगी, ब्रिटेन में भी इसे मंजूरी मिली

नई दिल्ली। देश में 2 से 18 साल के बच्चों पर कोवैक्सिन के ट्रायल जारी हैं। इस बीच बच्चों के लिए एक और वैक्सीन जल्द मिलने की उम्मीदें बढ़ गई है। AIIMS डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि अमेरिकी कंपनी फाइजर की वैक्सीन भी बच्चों को लगाई जा सकेगी।

गुलेरिया ने दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ये पहला मौका नहीं है, जब भारत ने किसी वैक्सीन को बिना ट्रायल के ग्रीन सिग्नल दिया हो। केंद्र ने पहले भी ऐसी वैक्सीन को मंजूरी दी है, जिन्हें अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, WHO द्वारा इमरजेंसी यूज की मंजूरी दी जा चुकी है। ऐसे में हमें लगता है कि जल्द ही भारत में वयस्कों और बच्चों के लिए एक और वैक्सीन मौजूद होगी। फाइजर का टीका जल्द भारत आने वाला है। इस बीच, ब्रिटेन में 12 से 15 साल के बच्चों को फाइजर बायोएनटेक की वैक्सीन को ड्रग रेगुलेटर ने मंजूरी दे दी है। मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी की ष्टश्वह्र जून राइन ने बताया कि फाइजर की

वैक्सीन सुरक्षित और असरदार है। इससे पहले यूरोपीयन यूनियन और अमेरिका में इस एज ग्रुप के लिए फाइजर को मंजूरी मिल चुकी है।

गुलेरिया ने बताया कि फाइजर और मॉडर्ना जैसी वैक्सीन को भारत लाने में शुरुआती देरी इसलिए हुई, क्योंकि वैक्सीन के बारे में कोई डेटा नहीं था। उन्होंने कहा कि अब हमारे पास इस बात का डेटा है कि ये वैक्सीन कितनी सेफ है। पहले यूरोप में इसके साइड इफेक्ट की खबरें आई थीं। अब अमेरिका और ब्रिटेन में वैक्सीनेशन का डेटा मौजूद है। जब हमारी कमेटी को ये पता चल गया कि भारत में इसका इस्तेमाल सेफ रहेगा, तो इसे लाने को लेकर मंजूरी दी गई।

बच्चों पर स्वदेशी टीके का ट्रायल जारी

2 से 18 साल के बच्चों के लिए भारत बायोटेक की कोवैक्सिन का ट्रायल जारी है। 525 स्वास्थ्य वॉलंटियर्स पर इस वैक्सीन का ट्रायल किया जा रहा है। पहली डोज देने के 28 दिन बाद इन वॉलंटियर्स को दूसरी डोज दी जाएगी। ट्रायल के दौरान कोवैक्सिन का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि ये ट्रायल रोकने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि बच्चों पर कोवैक्सिन का ट्रायल नरसंहार की तरह होगा।

टीकाकरण के प्रमाण पत्र पर विवाद बढ़ा

पीएम मोदी की जगह लगेगी सीएम ममता की तस्वीर

कोलकाता। कोरोना का टीका लगाने के बाद कोविन एप के जरिए मिलने वाले सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो पर बवाल जारी है। लेकिन अब सर्टिफिकेट पर फोटो को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार का कहना है कि तीसरे चरण के वैक्सीनेशन में 18-44 साल के लोगों को वैक्सीन लगने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की फोटो वाले सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

ममता ने पीएम मोदी की फोटो की आलोचना की-बता दें कि पहले से ही ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली टीएमसी और केंद्र सरकार के बीच कई मुद्दों को लेकर अनबन है और ये मुद्दा राज्य और केंद्र सरकार के बीच और दूरी बढ़ा सकता है। हालांकि इससे पहले टीएमसी खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो पर आपत्ति जता चुकी है और इसकी आलोचना कर चुकी है। बता दें कि इसी साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव हुए और इस दौरान टीएमसी ने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की थी। शिकायत में टीमसी ने वैक्सीनेशन के बाद सर्टिफिकेट में पीएम मोदी की तस्वीर को आचार संहिता का उल्लंघन बताया था। हालांकि भारतीय जनता पार्टी की बंगाल इकाई ने टीएमसी के इस फैसले पर आपत्ति जताई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य का कहना है कि टीएमसी प्रधानमंत्री पद की गरिमा को स्वीकार नहीं कर रही है।

वैक्सीन पर आरोपों के बीच निजी अस्पतालों से बोली पंजाब सरकार- वापस कर दो स्टॉक

नई दिल्ली। पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार पर कोविड वैक्सीनेशन ड्राइव के दौरान गड़बड़ी कर भारी मुनाफा कमाने के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में पंजाब सरकार ने निजी अस्पतालों से वैक्सीन के सारा स्टॉक वापस करने को कहा है। वैक्सीनेशन के स्टेट-इन-चार्ज विकास गर्ग की ओर से जारी लेटर में कहा गया है, आदेश को सही भावना से नहीं लिया गया है इसलिए इसे वापस ले लिया गया है।

राज्य सरकार पर लगे गंभीर आरोप

पंजाब के कोटे के तहत खरीदी गई कोवैक्सीन को निजी अस्पतालों को बेचने को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठ रहे थे। आरोप है कि पंजाब सरकार ने कोविड

वैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीच्यूट से प्रति डोज 400 रुपये के हिसाब से वैक्सीन खरीदी थी और इसे निजी अस्पतालों को 1060 रुपये में बेच रही थी, यानी प्रति डोज 660 रुपये का फायदा। निजी अस्पताल लोगों से प्रति डोज के 1560 रुपये ले रहे यानी वो 500 रुपये और ज्यादा ले रहे हैं।

साथ ही आरोप ये वैक्सीन राज्य सरकार ने 18 से 45 साल के लोगों के लिए खरीदी थी और निजी अस्पताल अब इसे 18 साल से ज्यादा के किसी भी व्यक्ति को दे रहे हैं जिन्होंने स्लॉट बुक किया है। ऐसे समय में जब सरकारी टीकाकरण केंद्रों में टीके की कमी है, राज्य सरकार के इस कदम को मुनाफा कमाने के तौर पर देखा जा रहा था।

स्वास्थ्य मंत्री बोले खुद देखेंगे जांच

इसके बाद पंजाब सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बीएस सिद्धु ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि इस मामले की जांच की जाएगी और वो खुद इसकी जांच को देखेंगे। उन्होंने कहा कि %वैक्सीन पर मेरा नियंत्रण नहीं है। मैं सिर्फ ट्रीटमेंट, टेस्टिंग, कोविड-19 सैम्पलिंग और वैक्सीनेशन कैंपों को देखता हूं। हम निश्चित तौर से इसकी जांच करेंगे। मैं खुद इस मामले में जांच कर सकता हूं।

अब समुद्र में भी दुश्मनों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरेगा भारत, नौसेना को मिली 6 परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण की मंजूरी

नई दिल्ली। अब समूद्र के भीतर भी दुश्मनों के नापाक मंसूबों को पानी फेरने को भारत ने अपनी ताकत और बढ़ाने की तैयारी कर ली है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए करीब 43,000 करोड़ रुपये की लागत से छह पारंपरिक पनडुब्बियों के निर्माण को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। चीन की तेजी से बढ़ती नोसैन्य क्षमताओं के मद्देनजर भारत की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। रक्षा खरीद परिषद (डीएएसी) ने परियोजना के लिए अनुरोध पत्र या निविदा जारी करने को मंजूरी दे दी। रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत यह पहली खरीद होगी। आयात पर निर्भरता घटाने के लिए ये पनडुब्बियां उस रणनीतिक साझेदारी के तहत बनाई जाएंगी जो घरेलू रक्षा उपकरण निर्माताओं को विदेशों की रक्षा निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी में अत्याधुनिक सैन्य मंच बनाने की अनुमति देता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए करीब 6800 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सैन्य हथियारों और उपकरणों की खरीद संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में डीएसी की बैठक में पी-75 इंडिया नाम की इस परियोजना को अनुमति देने का निर्णय लिया गया। डीएसी खरीद संबंधी निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च इकाई है। मंत्रालय ने नौसैन्य परियोजना के बारे में बताया, इस परियोजना में 43,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अत्याधुनिक प्रणोदन

प्रणाली से युक्त छह पारंपरिक पनडुब्बियों का देश में निर्माण किया जाएगा। एक बयान में कहा गया, रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत पहले मामले के तौर पर यह महत्वपूर्ण मंजूरी है। यह सबसे बड़ी मेक इन इंडिया परियोजनाओं में से एक होगी और भारत में पनडुब्बी के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी और औद्योगिक ढांचे को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा कि परियोजना से आयात पर निर्भरता घटेगी और देशी स्त्रोतों से आपूर्ति पर निर्भरता बढ़ेगी और आत्मनिर्भर होने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया इस मंजूरी के साथ, देश पनडुब्बी निर्माण में राष्ट्रीय क्षमता हासिल करेगा। इसके साथ ही, भारतीय उद्योग के लिए देश में पनडुब्बियों के डिजाइन, निर्माण के संबंध में सरकार द्वारा परिकल्पित 30 वर्षीय पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत घरेलू रक्षा निर्माताओं को अत्याधुनिक सैन्य उपकरण तैयार करने के संबंध में आयात पर निर्भरता घटाने के लिए अग्रणी विदेशी रक्षा कंपनियों से हाथ मिलाने की अनुमति होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना 12 वर्ष की अवधि में लागू की जाएगी और रडार को चकमा देने में सक्षम पनडुब्बियों में हथियारों की जो प्रणालियां शामिल की जाएगी उसके अनुरूप अंतिम लागत में इजाफा हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि डीएसी ने पोत निर्माता लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) और सरकारी उपक्रम माझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) को अनुरोध पत्र या निविदा जारी करने को मंजूरी दे दी। परियोजना के लिए ये दोनों कंपनियां किस विदेशी कंपनी के साथ हाथ मिलाना चाहती हैं यह उनका अपना फैसला होगा। इसके लिए पांच विदेशी कंपनियों रोसोबोरोनेएक्सपोर्ट (रूस), दाईवू (दक्षिण कोरिया), थायसीनक्रूप मरीन सिस्टम (जर्मनी), नवंतिया (स्पेन) और नेवल ग्रूप (फ्रांस) की सूची बनायी गयी है। ऐसी उम्मीद है कि आरएफपी महीनेभर के भीतर जारी हो जाएगा तथा उस पर एल एंड टी तथा एमडीएल के जवाब का विस्तार से आकलन करने के बाद इसका ठेका दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय और नौसेना के अलग-अलग दल इस परियोजना की आरपीएफ जारी करने के लिए आवश्यक सभी जरूरतों और पनडुब्बियों की खूबियों समेत सभी जमीनी काम पूरे कर चुके हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सतर्क मौद्रिक नीति

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति ने अपनी द्वि-मासिक बैठक में देश की आर्थिक स्थिति और कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया है। समिति ने अर्थव्यवस्था में नकदी की उपलब्धता के लिए अनुकूल रुख बनाए रखने का भी तय किया है। यह फैसला अपेक्षित था, क्योंकि ऐसी कोई बड़ी वजह नहीं है कि रिजर्व बैंक अपनी नीतियों में परिवर्तन करे। गौरतलब यह है कि रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट पिछले साल अक्तूबर से यही बने हुए हैं।रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति में परिवर्तन दो वजहों से कर सकता है। एक, विकास दर को बढ़ाना है, जिसके लिए अमूमन रेपो रेट घटाई जाती है, क्योंकि इससे बैंकों को सस्ती नकदी मिलती है और वे भी अपनी ब्याज-दरें घटाकर सस्ते कर्ज दे सकते हैं। अर्थशास्त्र के सिद्धांत के मुताबिक, जब बाजार में वस्तुओं की पूर्ति के मुकाबले नकदी ज्यादा हो, तो महंगाई बढ़ती है, इसलिए इसे घटाने के लिए बाजार से नकदी कम करने की कोशिश की जाती है। इसके लिए रेपो रेट बढ़ाकर कर्ज महंगे करना एक उपाय है। फिलहाल कोरोना के चलते रिजर्व बैंक की कोशिश यही है कि नकदी की उपलब्धता ज्यादा हो। इसके लिए वह कई तरीके अपना रहा है, हालांकि विकास की गति बार-बार रुक जाती है। पहली लहर के बाद जब अर्थव्यवस्था कुछ गति पकड़ रही थी, तभी दूसरी लहर आ गई और मामला फिर वहीं आ गया। इसकी वजह से रिजर्व बैंक ने इस वित्त-वर्ष में विकास दर के अपने अनुमान को 10.5 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है, हालांकि मौजूदा अस्थिर परिस्थितियों में यह अनुमान भी कितना टिकेगा, बताना मुश्किल है। महंगाई का रिजर्व बैंक का अनुमान 5.1 प्रतिशत है, जो अपेक्षा के अनुकूल है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से महंगाई जैसे बढ़ रही है, उस पर रिजर्व बैंक को विचार करना होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में खनिज तेल व उपभोक्ता वस्तुओं के दाम तेज हो रहे हैं और घरेलू महंगाई भी बढ़ रही है, जबकि देश में मांग का कोई दबाव नहीं है। रिजर्व बैंक को देर-सवेर एक और समस्या पर गौर करना होगा। अर्थव्यवस्था में कोई तेजी नहीं है, लेकिन स्टॉक मार्केट तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। वास्तविक अर्थव्यवस्था और स्टॉक मार्केट के बीच यह दूरी सारी दुनिया में है। यह विरोधाभास काफी दिनों से चला आ रहा है और किसी न किसी दिन स्टॉक मार्केट को यथार्थ का सामना करना पड़ेगा। इसकी एक वजह यह भी है कि कोरोना के चलते बाजार में केंद्रीय बैंक ने जो आसान नकदी डाली है, वह वास्तविक अर्थव्यवस्था की जगह स्टॉक मार्केट में जा रही है, क्योंकि बाजार में मांग न होने की वजह से कोई निवेश नहीं करना चाहता। रिजर्व बैंक की अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद कृषि क्षेत्र की मजबूती, अच्छे मानसून और दुनिया में आर्थिक गतिविधियों के तेज होने पर टिकी है। कृषि क्षेत्र तो पिछले साल भी डूबती हुई अर्थव्यवस्था में एक उम्मीद की किरण बना हुआ था और अब भी उम्मीद बड़ी हद तक इस पर है, तो हमें सरकार से किसानों के लिए कुछ ज्यादा करने की अपेक्षा करनी चाहिए। रिजर्व बैंक ने कहा कि बहुत कुछ वैक्सीनेशन पर निर्भर है। अगर युद्ध स्तर पर तेजी से वैक्सीन लगती है, तो कोरोना पर काबू किया जा सकेगा, और तभी अर्थव्यवस्था में भी आत्मविश्वास जगेगा।

'आज के ट्वीट

झटका

दिल्ली हाईकोर्ट ने IMA अध्यक्ष डॉक्टर जय लाल को झटका देते हुए कहा कि वह सिर्फ मेडिकल के कामों पर ध्यान दें ईसाइयत को बढ़ावा देने वाला या धर्म परिवर्तन का कोई काम ना करें

\- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

दूसरी लहर की समाप्ति के बाद आंतरिक हिंसा का अंदेशा

सौरभ कुमार

चीन जनित वायरस संक्रमण के गिरते ग्राफ और कम होती मौत ने हम सबको थोडा आराम दिया है। लगभग एक महीने ऐसी भागदौड़ रही कि कोई अस्पताल के बिस्तर और दवाओं के अलावा अन् य चिंता करे, ये संभव ही नहीं था। अब जरूर समय है कि एक नजर दूसरी समस्याओं की तरफ भी डाली जाए। वास्तव में वायरस के गिरते ग्राफ के साथ ही एक गंभीर खतरे की आहट सुनाई दे रही है। खतरा ऐसा जो भारत के भविष्य की दिशा पर सवाल लगा है। 10 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक चेतावनी दी है। ये चेतावनी वैसे तो पूरी दुनिया के लिए है लेकिन वर्तमान राजनैतिक, सामाजिक स्थिति और रोज सामने आते षड्यंत्रों को ध्यान में रखकर देखें, तो भारत के लिए ये चेतावनी 'रेड लाइट' की तरह है। एंटोनियो गुटेरेस ने कहा 卐यह महामारी अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक भी एक बड़ा खतरा है। संभावित रूप से आने वाले समय में सामाजिक अशांति और हिंसा में वृद्धि होगी। ये जो सम्भावना गुटेरेस ने जताई है, उसके पीछे का कारण भी उन्होंने विस्तार से बताया है। इस संभावित सामाजिक अशांति और हिंसा के लिए गुटेरेस ने तीन प्रमुख कारण बताये हैं। एक, जब लोगों को ऐसा लगेगा की सरकार स्थिति को संभालने में नाकाम रही है या पारदर्शिता की कमी रही है, तो उनके और सरकार के बीच में अविश्वास बढेगा। दो, महामारी के कारण कम आय वाले समूहों में आर्थिक दबाव और बढ़ेगा, ऐसे में अशांति पैदा करने की इच्छा रखने वालों के लिए एक अवसर होगा और तीसरे कारण में वे राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहते हैं कि ये राजनीतिक अवसरवादिता का समय नहीं है। ये अवसरवादिता भी हिंसा और अशांति का कारण बन सकती है। अब एक बार भारत की वर्तमान राजनीति को ध्यान में रखते हुए इन तीनो कारणों को दोबारा पढ़िए, और सोचिए कि किस तरह से चीन वायरस की दूसरी लहर की शुरुआत से ही टीवी स्क्रीन पर चिताओं की आग और अस्पताल के बाहर रोते लोगों को दिखाया गया। आधी अधूरी जानकारी के साथ मौतों को लेकर भ्रामक दावे किये गए। भारत के आर्थिक तौर पर पिछड़े तीन समूहों - मुसलमान, दलित और किसानों के बीच कम्युनिस्ट संगठनों की गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही हैं। उनके मन में अविश्वास और विभाजनकारी विचार भरे जा रहे हैं। रही बात राजनीतिक अवसरवादिता की तो आप कांग्रेस का टूलकिट पढ़ ही चुके हैं। एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी सुनने के बाद यदि कांग्रेस, वामपंथी और इस्लामिक शक्तियों के गतिविधियों को देखेंगे तो बहुत ज्यादा समानता दिखाई देती है। जिन बिन्दुओं से गुटेरेस बचने की बात कर रहे हैं, उन्हें हमारे यहां सुनियोजित तरीके से लागू करने की कोशिश की जा रही है। आप कहेंगे क्या हवा हवाई बातें हैं! ऐसा नही हैं कि ये खतरा सिर्फ भारत के सिर पर मंडरा रहा है या बीते कुछ दिनों से मंडरा रहा है। हम बस उस नजर से देख नहीं रहे और क्रोनोलॉजी पकड़ में नहीं आ रही। तो जरा समझने की कोशिश कीजिये - अमेरिका में चीन जनित वायरस के पहली लहर का चरम जुलाई 2020 में आया। संक्रमण के मामले कम होने शुरू हुए तो अगस्त के बीच में अमेरिका में हो रहे ब्लैक लाइफ मैटर्स के प्रदर्शन हिंसक हो गए। कई जगहों पर आग लगायी गयी, दुकानें लूटी गयीं। इसके पीछे कम्युनिस्ट संगठनो का हाथ होने की सम्भावना कई मीडिया चैनल और जिम्मेदार लोगों ने जताई। फ्रांस को देखिये, वहां पहली लहर का चरम नवम्बर, 2020 में आया। दिसम्बर के शुरुआत में फ्रांस के कई हिस्सों में नए पुलिस सिक्यूरिटी बिल को लेकर विरोध प्रदर्शन की शुरुआत हुई। कुछ दिनों में ये प्रदर्शन हिंसक हो गए। यहाँ भी वही आगजनी, लूट. फ्रांस में इस्लामिक ताकतें भी एक्टिव हो रही हैं। स्थितियां इस हद तक चली गयीं की फ्रांस की सेना के लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख कर 'गृहयुद्ध' सम्भावना जताई है। इजराइल ने 18 अप्रैल को चाइना वायरस से सम्बंधित पाबंदियां हटा लीं, खुद को वायरस फ्री घोषित कर दिया। 06 मई को ईस्ट जेरुसलम में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। कारण क्या? सुप्रीम कोर्ट के आर्डर के बाद, 06 परिवारों को दूसरी जगह भेजा जा रहा था। 06 परिवारों के आड़ में शुरू हुआ आन्दोलन लगभग 270 लोगों की मौत का कारण बन गया, हजारों घायल हुए। दुनिया भर में दिख रहा है कि चाइना वायरस के मामले जैसे कम होने लगते हैं तो सामाजिक अशांति और हिंसा हो रही है। भारत का मामला भी कुछ अलग नहीं है, भारत में चाइना वायरस की पहली लहर का चरम सितम्बर में आया था। तब 25 नवम्बर को किसानों के कुछ संगठनों ने कृषि कानूनों का बहाना लेके दिल्ली में आन्दोलन की घोषणा की, और देश की राजधानी को लट्ठ लेकर घेर लिया। महीनों तक दिल्ली को बंधक बना के बैठे रहे और 26 जनवरी जैसे अवसर पर हिंसा की, लाल किले पर कब्ज़ा करने की कोशिश की।थोडा सा सावधान होने की जरुरत है. क्यूंकि खतरा बड़ा हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेलबॉर्न ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के अनुसार पांच देशों में चाइना वायरस वायरस महामारी के दौरान गृह युद्ध बढ़ा है।

हिंसा और इस्लामिक-कम्युनिस्ट गठजोड़

भारत में अगर बड़े स्तर पर आंतरिक हिंसा की शुरुआत होती है तो हम कहाँ खड़े हैं? इसका आकलन करने की जरूरत है। भारत में एक साथ पूरे देश में हिंसा की शुरुआत हो ये सम्भव नहीं लगता है। एक आन्दोलन में हुई हिंसा से निपटने में भी सरकार सक्षम है, लेकिन क्या हुआ अगर ये हिंसा तब हो जब किसी और देश ने हमपर हमला किया हो? पाकिस्तान और चीन के साथ सीमा पर तनाव लगातार बना हुआ है। कुछ खबरें भी आई हैं कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चीनी सेना और उपकरण देखे जा रहे हैं। भारत में भी हिंसा भड़काने पर उसके संभावित एलिमेंट यही हैं - इस्लाम और कम्युनिस्ट। वो शाहीनबाग़ हो या कथाकथित किसान आन्दोलन, फ्रांस हो अमेरिका, इजरायल, ब्राजील, ब्रिटेन हर जगह चर्च, कम्युनिस्ट और इस्लाम का गठजोड़ सत्ता को असंतुलित करने और हिंसा भड़काने की कोशिश कर रही है। ऐसा नहीं है कि ये असंभव है। इजराइल में यही हुआ, एक तरफ जहाँ गज़ा से इजरायल पर राकेट दागे जा रहे थे उसी समय इजराइल के अन्दर रहने वाले मुसलमान हथियार लेकर सड़कों पर उतर आये थे। इस्लाम में एक चीज की तारीफ़ करने लायक है- वह है समन्वय। वो आपस में बड़े अच्छे से जुड़े हैं। फ्रांस में आन्दोलन हो तो भोपाल में आरिफ मसूद एक्टिव हो जाता है।

इस्लामिक युद्धनीति से लड़ने में कितना सक्षम है समाज ?

सीएए आन्दोलन के बाद दिल्ली के दंगे आपने देखे, देखा की किस तरह खून की नदियाँ बहा दी गईं। सबने उनकी तैयारी देखी? इंजीनियरिंग देखी? हजारों की संख्या में पेट्रोल बम बना लिए, बंदूकें निकल आयीं, 100-200 नहीं हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट है कि 10 हजार किल्लोग्राम पत्थर दिल्ली दंगों में इस्तेमाल किये गए। अलग तरह की गुलेल भी आपने देखी होगी। अब मजे की बात देखिए इजराइल में जो दंगेबाज थे वो कौन सा हथियार इस्तेमाल कर रहे थे। क्या.. कोओर्डिनेशन (समन्वय) है! और अगली बार ये हथियार और खतरनाक हो सकते हैं। न्यूज़ रिपोर्ट्स के मुताबिक 15 दिनों में गज़ा से जो 4000 से ज्यादा राकेट दागे गए वो 'होम मेड' थे। चंद हज़ार रुपए में मिलने वाले इंजन, एक छोटा सा सर्किट, लोहे की पाइप, चीनी और कंक्रीट और बन गया राकेट। तब यह सब देखने के बाद अब बहुत हद तक सावधान हो जाने की जरूरत है, चीन जनित वायरस की दूसरी लहर को समझने में हमसे चूक हो गयी। अगली लहर को समझने में हमसे देरी न हो, वस्तुतः आज ये ध्यान रखते हुए हमें आगे बढ़ते रहना होगा। (लेखक सामाजिक एवं राजनीतिक -अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जानकार हैं)

ज्ञान गंगा

कानून

आचार्य रजनीश ओशो/ कानून की सभी प्रणालियां समाज द्वारा उन लोगों से लिया गया प्रतिशोध हैं, जो समाज की व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं। मेरे अनुसार, कानून न्यायपूर्ण लोगों की रक्षा के लिए नहीं है, वह भीड़ के सामूहिक मन की रक्षा के लिए है-फिर वह न्यायपूर्ण है या नहीं है, यह सवाल नहीं है। कानून व्यक्ति के खिलाफ है और भीड़ के लिए है। वह व्यक्ति और उसकी स्वतंत्रता को, स्वयं होने की उसकी संभावना को अवरुद्ध करने का एक प्रयास है। नवीनतम वैज्ञानिक खोजें किन्हीं और ही सत्यों पर रोशनी डालती हैं, जिनको अपराधी कहा जाता है, शायद उनमें दस प्रतिशत लोग अपने अपराधों के लिए जिम्मेवार नहीं होते। उनके अपराध जेनेटिक होते हैं, आनुवंशिक होते हैं। जैसे अंधा आदमी उसके अंधेपन के लिए जिम्मेवार नहीं होता, वैसे ही हत्यारा उसकी हत्या करने की वृति के लिए जिम्मेवार नहीं होता। दोनों ही यह प्रवृति विरासत में पाते हैं-एक अंधेपन की, दूसरा हत्या करने की। अब यह लगभग एक प्रामाणिक वैज्ञानिक तथ्य है कि किसी भी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए दंड देना सिर्फ मूढ़ता है। यह करीब-करीब ऐसे ही है जैसे हम किसी व्यक्ति को इसलिए सजा दें क्योंकि उसे टी.बी. है, किसी को कैद कर लें क्योंकि वह कैंसर का मरीज है। सभी अपराधी रु ग्ण होते हैं-मानसिक रूप से और आध्यात्मिक रूप से, दोनों तरह से। मेरी दृष्टि के अनुसार जो कम्यून होगा, उसकी अदालतों में विधि विशेषज्ञ नहीं होंगे; वहां पर वे लोग होंगे जो आनुवंशिकी, जेनेटिक्स को तथा इस बात को समझते हैं कि किस तरह अपराध की मनोवृत्ति पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रहती है। उन्हें यह नहीं तय करना होगा कि इसे क्या सजा दें-क्योंकि कोई भी सजा देना गलत है; गलत ही नहीं, वह अपने आप में एक अपराध है। जिस आदमी ने गलत काम किया है, उसे उचित संस्था में भेजना होगा। किसी मनोचिकित्सक संस्थान में या मनोविश्लेषक विद्यालय में या शायद अस्पताल में शल्य-क्रिया के लिए। उसे हमारी सहानुभूति की, हमारे प्रेम की, हमारी सहायता की जरूरत है, लेकिन बजाय उसे अपनी सहानुभूति देने के, अपना प्रेम देने के, सदियों-सदियों से हम उसे सजा देते रहे हैं। व्यवस्था, कानून, न्याय, इन सुंदर-सुंदर नामों की आड़ में आदमी ने अत्यधिक क्रूरताएं की हैं। नये मनुष्य के लिए कोई कारागृह नहीं होंगे, कोई न्यायाधीश नहीं होंगे और कोई विधि-विशेषज्ञ नहीं होंगे। ये बिल्कुल ही अनावश्यक हैं, ये समाज के शरीर पर कैंसर की सूजन हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

हरियाणा के सामाजिक पुनर्जागरण के अग्रदूत

प्रीतम सिंह

दौलत राम चौधरी (1935-2021) एक अध्यापक, प्रगतिशील बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता रहे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन प्रगतिशील विचारों को बढ़ावा देने और सामाजिक कायाकल्प करने हेतु संस्थागत तंत्र एवं आंदोलन बनाने में लगा दिया। इस गौरवमयी जीवन का अवसान 1 जून को गुरुग्राम में कोविड उपरांत बनी स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण हो गया। उनका जन्म गांव चौटाला के कृषक परिवार में हुआ था। ग्रामीण एवं क्षेत्रीय जड़ों से प्रेरित होकर वे ताजिंदगी अपने प्रगतिशील नजरिए और आचरण को रूप देते रहे। वे सही मायनो में हरियाणा के ग्रामीण परिवेश से जुड़े ठेठ 'जैविक' बुद्धिजीवी थे। वर्ष 2003 में दिल्ली के दयाल सिंह कॉलेज (सांध्य) से बतौर इंग्लिश लेक्चरर सेवानिवृत्त होने से पहले लगभग 40 वर्षों के कार्यकाल के दौरान लोग उन्हें प्यार से 'डीआर' कहकर पुकारते थे, जो सुनने में 'डियर' जैसा लगता था। 1960 के दशक में दिल्ली यूनिवर्सिटी अध्यापक वामपंथी संघ बनाने वालों में वे स्वर्गीय प्रोफेसर रंधीर सिंह के साथ संस्थापक सदस्यों में से एक थे। आगे 1979 में यह संस्था डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट नामक संगठन में तबदील हो गई थी। शिक्षण-अध्यापन के दौरान उन्होंने अंग्रेजी साहित्य पढ़ाने को केवल सौंदर्यशास्त्र तक सीमित न रखते हुए इसको उभरती सामाजिक विषय-वस्तुओं पर आलोचनात्मक विमर्श का रूप देने में अग्रणी भूमिका अदा की थी। मेरी उनसे पहली मुलाकात उस वक्त हुई थी जब वे हरियाणा लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष थे। हमारी वार्ता घंटों तक चला करती थी, शायद इसलिए क्योंकि हम दोनों के विचार समाज को समतामूलक बनाने की दिशा में एक जैसे थे, और यह दोस्ती जीवनपर्यंत निभी। एक बार शिमला से चंडीगढ़ तक की बस यात्रा के दौरान उन्होंने मुझे वह रोचक किस्सा सुनाया कि कैसे उनके परिवार ने देवीलाल को पनाह दी थी, जब वे बतौर एक चरमपंथी ग्रामीण किसान आंदोलनकारी पुलिस को वांछित थे। हालांकि देवीलाल के साथ उनके संबंध परस्पर सम्मान देने वाले थे, किंतु बाद में हरियाणा में जिस किस्म की राजनीति नेताओं ने चलाई, उसकी वजह से उनके साथ मिलकर काम करना मुश्किल लगा। तब उन्होंने अपनी ऊर्जा सामाजिक उत्थान हेतु लगा दी और जातिवाद, लिंग भेद और पितृ-सत्तात्मक संस्कृति को बदलने को जागृति बनाने में लग गए। उन्होंने 'पींग' नामक साप्ताहिक प्रकाशन निकाला और इसे प्रगतिशील विचार प्रसारित करने का मंच बनाया। वे 'द ट्रिब्यून' समेत कई प्रकाशनों के लिए नियमित रूप से लेख लिखते थे। वे एक प्रगतिशील आधुनिकतावादी थे, हरियाणा के ग्रामीण समाज की अपनी गहरी समझ के कारण उनमें न तो गांवों की 'सरलता' को लेकर अक्सर बनाया जाने वाला रूमानी भाव था और न ही शहरों में पले-बढ़े बुद्धिजीवियों जैसा ग्रामीणों को पिछड़ा समझने वाला दंभपूर्ण एवं हिकारत भरा नजरिया। वे हरियाणा में सांस्कृतिक पुनर्जागरण बनाने में यकीन रखते थे और एक लेख में बेधड़क होकर दलील रखी थी कि हरियाणा को अपनी अलग राजधानी चाहिए, शायद नयी, जो हरियाणवी संस्कृति वाले परिवेश में स्थित हो और जिसे हरियाणवी संस्कृति, भाषा और कला विकास का नाभि केंद्र बनाया जा सके। उनका मानना था कि हरियाणा के लिए चंडीगढ़ जैविक रिश्ते से कटा एक शहर है। उनका यह कहना एकदम सही था 'हरियाणा को अपनी अलग राजधानी की सख्त जरूरत है और इस काम के लिए चंडीगढ़ कतई योग्य नहीं है। यह सूबे के लिए गर्दन में लटके मरे सांप की तरह है, जिससे जितनी जल्द हो सके, निजात मिले, उतना ही हरियाणवियों के लिए अच्छा होगा।' वर्ष 2007 में उन्होंने 'हरियाणा एट क्रॉसरोड : प्रॉब्लम्स एंड प्रोस्पेक्टस' नामक एक रोचक पुस्तक लिखी थी, जो निःसंदेह हरियाणा और उसके विकास में बाधक बने बहुआयामी अवयवों पर उनके प्रगतिशील दृष्टिकोण की आलोचनात्मक विवेचना का प्रतिबिंब है। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में डीआर ने अपनी जैसी सोच रखने वाले और लोकसेवा को उत्साही मित्रों के साथ मिलकर 'हरियाणा इंसाफ सोसायटी' नामक संघ बनाया था, जिसका मंतव्य उन लोगों की लड़ाई लड़ना था जो हाशिए पर हैं, अपने अधिकारों के प्रति अनजान या फिर शोषित हैं। डीआर चौधरी अपने पीछे एक समृद्ध बौद्धिक एवं राजनीतिक विरासत छोड़ गए हैं, जिसे उनके दो होनहार पुत्र भूपिंदर चौधरी (शिक्षाविद) और अश्विनी चौधरी (फिल्म निर्देशक) और पुत्री कमला चौधरी (शिक्षाविद) आगे बढ़ा रहे हैं।

टैक्सपेयर्स अब मोबाइल से भर सकेंगे ITR, शुरू हो रही खास सुविधा

बिजनेस डेस्क: आयकर विभाग ने टैक्सपेयर्स को एक बड़ी राहत दी है। इनकम टैक्स रिटर्न अब पहले की तुलना में आसानी से भरा जा सकेगा। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अपने ट्विटर हैंडल पर जानकारी देते हुए कहा कि इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल का अब मोबाइल एप भी होगा। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का नया ई-फाइलिंग पोर्टल और एप के जरिए अब इनकम टैक्स रिटर्न आसानी से भरा जा सकेगा। इस नए पोर्टल के जरिए आइटीआर फॉर्म, प्री फाइल्ड इनकम टैक्स, सरल इनकम टैक्स भी भरे जा सकेंगे। 7 जून को नई वेबसाइट की शुरुआत के साथ ही मोबाइल एप को भी लांच किया जाएगा। इस सुविधा के आने से जहां पूरी व्यवस्था और यूजर्स फ्रेंडली हो जाएगी। वहीं, नया मोबाइल एप कहीं भी एक्सेस किया जा सकेगा।

क्या है नई वेबसाइट

इनकम टैक्स विभाग इस समय अपनी नई वेबसाइट पर काम कर रहा है। जिसकी वजह से 1 से 6 जून तक पुराने पोर्टल **www.incometa&indiaefiling.gov.in** पर कोई भी लॉगइन नहीं कर पा रहा है। 7 जून डिपार्टमेंट की तरफ से नए पोर्टल **www.incometa&gov.in** की शुरुआत की जाएगी। इसी दिन मोबाइल एप भी लॉन्च किया जाएगा।

'अब दाल बिगाड़ सकती है आपके खाने का स्वाद'

बिजनेस डेस्क: कोरोना और सरसो के तेल की बढ़ी कीमतों की मार झेल रहे आम आदमी को राहत मिलने की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। अब दाल भी उसके खाने का स्वाद बिगाड़ सकती है। देश में दलहल का उत्पादन घटने से दाल की कीमतों में बढ़ौतरी की आशंका है। भारतीय दलहन एवं अनाज संघ (आई.पी.जी.ए.) के अनुसार इस साल दाल का उत्पाद घट सकता है। कोरोना के कारण इस फसल वर्ष में दलहल फसलों की बुआई पर किसानों का जोर कम रहा है। इसके चलते देश में इस साल मसूर, चना और अन्य दालों सहित दालों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस साल अरहर के उत्पादन में करीब 10 लाख टन की कमी हो सकती है। कृषि मंत्रालय की वैबसाइट से प्राप्त तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार फसल वर्ष 2020-21 के लिए अरहर का उत्पादन लगभग 7 लाख टन और उड़द के 5.20 लाख टन कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही खरीफ का कुल उत्पादन 2.12 मिलियन टन कम रहने की उम्मीद है। यानी देश में दाल का उत्पादन घटने वाला है। कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि यह दाल की महंगाई को और बढ़ाने का काम करेगा। आने वाले महीनों में दाल की कीमतों में बड़ा उछाल आ सकता है अगर समय रहते कदम नहीं उठाया गया।

सरकार को आपूर्ति बढ़ाने का सुझाव

आई.पी.जी.ए. के उपाध्यक्ष बिमल कोठारी ने कहा कि हमने सरकार को आपूर्ति बढ़ाने का सुझाव दे दिया है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल से दाल को लेकर लंबी अवधि को ध्यान में रखकर कोई पॉलिसी नहीं है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ने सरकार से दलहन का आयात फ्री करने का आग्रह किया है लेकिन इस शर्त पर की आयातित दाल की न्यनूतम लैंडिंग कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) से अधिक हो।

देश में उत्पाद से अधिक खपत

आई.पी.जी.ए. के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 के मध्य से देश में दलहन का उत्पादन बढ़कर 23 मिलियन टन हो गया है। हालांकि, मांग 25-26 मिलियन टन है। इस कमी को पूरा करने के लिए लगभग 2.5 मिलियन टन दलहन का आयात हर साल किया जाता है। साथ ही हमारी मांग हर साल 10 लाख टन बढ़ रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए सिर्फ आयात पर निर्भरता करना ठीक नहीं है। देश में दलहन का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है।

आरबीआई, सरकार के समन्वित प्रयासों से आर्थिक वृद्धि को अधिक टिकाऊ बनाने में मिलेगी मददः एसबीआई

नयी दिल्ली,

देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में स्पष्ट तौर पर कोरोना वायरस महामारी के कारण दबाव में आये क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है और उन्हें नकदी उपलब्ध कराने के लिये बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराई गई हैं। स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने रिजर्व बैंक की शुक्रवार को घोषित दूसरी मौद्रिक नीति समीक्षा पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि ''नीतिगत घोषणा में स्पष्ट तौर पर दबाव का सामना कर रहे क्षेत्रों पर अधिक न्यायपूर्ण वितरण के जरिये तरलता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। मौजूदा अनिश्चित स्थिति को देखते हुये आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के आंकड़ों को संशोधित किया गया है।'' सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे बड़े बैंक पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ एस एस मल्लिकार्जुन राव ने मौद्रिक नीति की समीक्षा पर कहा, ''रिजर्व बैंक ने एक बार फिर कोरोना वायरस की दूसरी लहर से उपजी कठिन परिस्थिति में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिये उपयुक्त कदमों की घोषणा की है। खास खिड़की सुविधा के तहत 15,000 करोड़ रुपये की नकदी सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है जिससे बुरी तरह से प्रभावित होटल, रेस्त्रां, पर्यटन और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों को मदद मिलेगी।'' रिजर्व बैंक ने तीन दिन चली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद शुक्रवार को इसके निष्कर्ष की घोषणा की। केन्द्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को चार प्रतिशत पर पूर्ववत रखा है। रिवर्स रेपो दर को भी 3.35 प्रतिशत पर यथावत रखा गया। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के लिये आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया। मुद्रास्फीति का आंकड़ा 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। एसबीआई के चेयरमैन खारा ने कहा कि तरलता, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिये बाजार हस्तक्षेप और दबाव झेल रहे एमएसएमई क्षेत्र की समस्या का समाधान करके आर्थिक वृद्धि को सहारा देने का प्रयास स्पष्ट नजर आता है।

रेस्टारेंट का डायरेक्ट डिलीवरी कारोबार 25 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के डर से लोगों द्वारा रैस्टोरेंट में न जाने और घर पर ही खाना मंगवाने के रुझान के चलते रैस्टोरैंट्स की चेन के डायरेक्ट डिलीवरी कारोबार में पिछले दो महीने में 15 से लेकर 25 प्रतिशत का उछाल आया है। ग्राहकों द्वारा इतनी बड़ी संख्या में किए जा रहे सीधे आर्डर से उत्साहित इन बड़े रैस्टोरैंट चेंस ने अब स्विगी और जोमेटो के अलावा विकल्प के तौर पर अपने डायरैक्ट होम डिलीवरी कारोबार को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रैस्टोरैंट्स का अनुमान है कि लंबे लॉकडाऊन के बाद अब स्थितियां सामान्य होने पर भी रैस्टोरेंट में आकर खाना खाने से बचेंगे। यह अंदर से बंद होते हैं। इसके अलावा फिलहाल निकट भविष्य में बार में भी कारोबार मंदा ही रहने वाला है। दरअसल रैस्टोरैंट से ग्राहक के घर तक खाना पहुंचाने वाले स्विगी और जोमेटो जैसे एप्स का कमीशन कई मामलों में 30 प्रतिशत तक चला जाता है जबकि डॉट पे और थ्राइव नाओ जैसे टैक्निकल पार्टनर 3 प्रतिशत तक कमीशन लेते हैं। रैस्टोरैंट मालिकों को लगने लगा है कि बिचौलिए एप्स को दिए जा रहे कमीशन के चलते उनका मुनाफा लगातार कम हो रहा है और इतने कम मुनाफे के साथ उनका अपना कारोबार लंबा नहीं चल पाएगा लिहाजा देश में कोरोना काल में रैस्टोरैंट चेंस ने इन एप्स का विकल्प खोजते हुए डायरैक्ट डिलीवरी का काम शुरू किया और अब यह कारोबार अच्छा चलने लगा है।

कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने को प्रतिबद्ध है भारतः गंगवार

नई दिल्ली :

केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा है कि भारत महामारी के प्रभाव से निपटने तथा उससे मजबूत होकर उबरने के लिए प्रतिबद्ध है। गंगवार ने शुक्रवार शाम अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 109वें सत्र के तहत गुट निरपेक्ष आंदोलन के श्रम मंत्रियों की वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। गंगवार ने कहा कि महामारी की वजह से दुनिया में जीवन और आजीविका का नुकसान हुआ, अर्थव्यवस्थाएं सुस्त हुई हैं और समाज के सभी वर्गों विशेषरूप से कमजोर तबके पर प्रतिकूल असर पड़ा है। मंत्री ने कहा कि कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सामाजिक संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए अधिक बेहतर समर्थन सुनिश्चित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकारों को महामारी से निपटना होगा और नीतिगत स्तर पर प्रभावी प्रतिक्रिया देनी होगी। इससे कारोबार निरंतरता, आय सुरक्षा और सभी के लिए बेहतर स्थिति सुनिश्चित की जा सकेगी। गंगवार ने कहा कि भारत ने बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया है और अभी तक 22.3 करोड़ लोगों को टीका लगाया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन और आजीविका में असाधारण बदलाव आया है और कामकाज के तरीके के लिए नया रवैया अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मंचों के इस्तेमाल से चुनौतियों तो आई हैं लेकिन इससे अवसर भी पैदा हुए हैं। श्रम मंत्री ने कहा कि भारत ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा के लिए कानूनी रूपरेखा बनाई है। गिग श्रमिक से तात्पर्य जो घंटों के हिसाब से या अस्थायी रोजगार करता है। वहीं ऑनलाइन मंच के जरिए लोगों या संगठनों को विशेष सेवाएं प्रदान करने वाले संगठन में काम करने वाले व्यक्ति को प्लेटफॉर्म वर्कर कहा जाता है।

एनबीसीसी ने जेपी इंफ्रा के अधिग्रहण के लिए अंतिम बोली सौंपी, सुरक्षा ने समय मांगा

नई दिल्ली :

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने शुक्रवार को जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के अधिग्रहण के लिए अपनी अंतिम बोली सौंपी। उसकी प्रतिद्वंदी कंपनी सुरक्षा समूह ने इसके लिए और सात दिन का समय मांगा है। एनबीसीसी और सुरक्षा समूह कर्ज बोझ तले दबी रियल्टी क्षेत्र की कंपनी जेआइएल के अधिग्रहण की दौड़ में शामिल हैं। दिवाला संहिता के तहत जेआईएल को ऋण समाधान हेतु नए निवेशकों को नीलाम किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एनबीसीसी ने अंतिम बोली सौंप दी है और यह दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) प्रावधानों और इस साल मार्च में उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुरूप है। वहीं सुरक्षा समूह ने ऋणदाताओं को एक पत्र लिखकर बोली के लिए सात दिन का और समय मांगा है ताकि वह 18 मई को सौंपी गई अपनी पहले की बोली को और आकर्षक बना सके। सूत्रों का कहना है कि समूह लंबित परियोजनाओं में फ्लैट को पूरा करने की समयसीमा को पहले के 42 माह के मुकाबले कम समय में पूरा करना चाहता है। बहरहाल, सूत्रों के मुताबिक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सुरक्षा समूह को बोली सौंपने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा या नहीं। जेआईएल के ऋणदाताओं ने पिछले सप्ताह एनबीसीसी और सुरक्षा समूह दोनों को ही अंतिम बोलियां सौंपने के लिए अधिक समय देने का फैसला किया था। दोनों प्रतिद्वंदियों को बोली के लिए और समय देने पर फैसला लेने के लिए 27 मई को दो दिन की मतदान प्रक्रिया शुरू हुई थी। इससे पहले 24 मई को जेआईएल के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने सुरक्षा समूह की बोली पर मतदान प्रक्रिया को स्थगित कर दिया था और दोनों को अंतिम पेशकश सौंपने के लिए अतिरिक्त समय दिए जाने को लेकर मतदान प्रक्रिया शुरू की थी। जेआईएल के लिए बोलियां सौंपने का यह चौथा दौर है।

जेआईएल अगस्त 2017 में दिवाला प्रक्रिया के तहत चली गई थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंक समूह के आवेदन को इस संबंध में स्वीकार किया था।

'क्रिप्टोकरंसीज पर आर.बी.आई. गवर्नर की दो टूक, फिर अटकी निवेशकों की सांसें'

बिजनेस डेस्क :

हाल में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) ने क्रिप्टोकरंसीज के बारे में 2018 के अपने सर्कुलर के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया था। इस पर देश की क्रिप्टो लॉबी खुशी से झूम उठी थी और उसने दावा किया था कि देश की क्रिप्टोकरंसी मार्कीट के बारे में केंद्रीय बैंक ने अपनी राय बदल दी है। क्रिप्टो इंडस्ट्री से जुड़ी हर कम्पनी ने आर.बी.आई. के रुख का स्वागत करते हुए बयान जारी किया था। उनके बयानों से देश में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। लेकिन शुक्रवार को आर.बी.आई. ने सभी तरह की अटकलों पर विराम लगा दिया। आर.बी.आई. के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मॉनीटरी पॉलिसी के बाद आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में क्रिप्टोकरंसीज के बारे में केंद्रीय बैंक के रुख को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरंसी को लेकर आर.बी.आई. की गंभीर चिंताएं हैं और उसने इस बारे में सरकार को अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा, ''जहां तक निवेशकों को सलाह की बात है तो केंद्रीय बैंक कोई इनवैस्टमैंट एडवाइस नहीं देता है। अपने निवेश के बारे में निवेशकों को खुद ही फैसला करना है।'' उनके बयान से साफ है कि आर.बी.आई. क्रिप्टोकरंसीज को कोई मान्यता नहीं देता है। हाल में बैंकों ने बिटक्वॉइन जैसी क्रिप्टोकरंसीज में डील करने वाले ग्राहकों को सेवाएं नहीं देने का फैसला किया था। इससे क्रिप्टोकरंसीज के निवेशक परेशान हो गए थे। इस पर आर.बी.आई. ने एक स्पष्टीकरण जारी करके कहा था कि बैंक इस मामले में 2018 के जिस सर्कुलर का हवाला दे रहे हैं उसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर चुका है, इसलिए अब इस सर्कुलर की कोई वैधता नहीं रह गई है और इसका संदर्भ नहीं दिया जा सकता है। क्रिप्टो इंडस्ट्री ने इसका स्वागत किया था लेकिन आर.बी.आई. के ताजा रुख से एक बार फिर उसकी सांसें अटक गई हैं।

सरकार का रुख साफ नहीं

इस बारे में सरकार का रुख साफ नहीं है। सरकार देश में क्रिप्टोकरंसीज को रेग्युलेट करने के लिए एक बिल लाने की तैयारी में है। इस बिल के प्रावधानों के मुताबिक क्रिप्टोकरंसीज में किसी तरह की डीलग अवैध होगी लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि इस बिल को कब संसद में पेश किया जाएगा। लेकिन आर.बी.आई. कई बार अपना रुख साफ कर चुका है। यह क्रिप्टो को एक एसैट के रूप में देखने वाले कॉमन इनवैस्टर्स के लिए साफ संकेत है कि रेग्युलेशन के अभाव में इसमें भारी जोखिम है।

GDP से जुड़ी प्रमुख बातें

भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 के लिए देश की जी.डी.पी. का अनुमान 10.5 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। वहीं महंगाई दर पर

दास ने कहा कि पहली तिमाही में महंगाई दर 5.20 फीसदी रह सकती है, दूसरी तिमाही में 5.4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.7 और चौथी तिमाही में यह 5.3 फीसदी हो सकती है। उन्होंने कहा कि बैंकों तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों का अपनी पूंजी की स्थिति को और मजबूत करना चाहिए क्योंकि कोविड-19 की दूसरी लहर से उत्पन्न परिस्थितियों में ऋण की वसूली प्रभावित हो सकती है।

पंजाब नेशनल बैंक को चौथी तिमाही में 586 करोड़ रुपए का मुनाफा

नई दिल्ली :

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कहा कि वित्त वर्ष 2020- 21 की चौथी तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 586.33 करोड़ रुपए रहा है। ब्याज आय में अच्छी वृद्धि हासिल होने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बैंक ने नियामकीय सूचना के तहत यह जानकारी दी है। उसने कहा है कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 697.20 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष की जनवरी से मार्च 2021 तिमाही में बैंक की कुल आय एक साल पहले की इसी अवधि के 16,388.32 करोड़ रुपए से बढ़कर 22,531.73 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस दौरान बैंक की ब्याज आय 36 प्रतिशत बढ़कर 18,789.53 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एक साल पहले यह इस अवधि में 13,858.98 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही के दौरान बैंक ने 5,634.31 करोड़ रुपए का परिचालन मुनाफा कमाया। एक साल पहले यह 3,932.28 करोड़ रुपए रहा था। बैंक का कहना है कि उसके वित्तीय परिणाम पिछले साल के आंकड़ों के साथ तुलना करने योग्य नहीं है। क्योंकि एक अप्रैल 2020 से उसके साथ आरिएंटल बैंक आफ कामर्स और यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया का विलय हुआ था। संपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर पीएनबी ने कुछ सुधार दर्ज किया है। मार्च 2021 की समाप्ति पर उसकी सकल गैर-निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) घटकर 14.12 प्रतिशत रह गई जो कि मार्च 2020 की समापति पर 14.21 प्रतिशत पर थी। शूद्ध एनपीए की यदि बात की जाए तो यह बढ़कर 38,575.70 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 27,218.89 करोड़ रुपए पर था। यही वजह है कि मार्च तिमाही में फंसे कर्ज के एवज में बैंक का प्रावधान बढ़कर 5,293.89 करोड़ रुपए हो गया वहीं कर और आपात जरूरतों के लिए प्रावधान घटकर 4,686.04 करोड़ रुपए रह गया। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 की यदि बात की जाए तो बैंक का शुद्ध लाभ छह गुणा उछलकर 2,021.62 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले साल 2019-20 में यह 363.34 करोड़ रुपए रहा था। वित्त वर्ष में कुल आय बढ़कर 93,561.62 करोड़ रुपए रही जो कि इससे पिछले साल में 64,306.13 करोड़ रुपए रही थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.27 अरब डॉलर बढ़कर 598.16 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर

मुंबई :

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 मई, 2021 को समाप्त सप्ताह में 5.271 अरब डॉलर बढ़कर 598.165 अरब डॉलर की एक नई रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 21 मई, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.865 अरब डॉलर बढ़कर 592.894 अरब डॉलर हो गया था। 14 मई, 2021 को समाप्त पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 56.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 590.028 अरब डॉलर हो गया था। शुक्रवार को दूसरे द्वैमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर शशिकांत दास ने कहा कि विदेशीमुद्रा भंडार इस समय संभवतः 600 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है। 28 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि मुख्य तौर पर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से हुई, जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक तौर पर जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां सप्ताह के दौरान 5.01 अरब डॉलर बढ़कर 553.529 अरब डालर हो गईं। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां डॉलर में व्यक्त की जाती हैं। इसमें डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन में अंकित सम्पत्तियां भी शामिल हैं। आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 26.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 38.106 अरब डालर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

(आईएमएफ) में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर बढ़कर 1.515 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आईएमएफ के पास देश का आरक्षित भंडार 50 लाख डॉलर घटकर 5.016 अरब डॉलर रह गया।

जीएसटी पर दिखा कोरोना की दूसरी लहर का असर, मई में लुढ़का क्लेक्शन

बिजनेस डेस्क :

सरकार का माल एवं सेवा (जीएसटी) संग्रह मई में 1.02 लाख करोड़ रुपए रहा है। यह लगातार आठवां महीना है जबकि जीएसटी संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। मई, 2021 में जीएसटी संग्रह पिछले साल के समान महीने की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है। मई, 2020 में जीएसटी संग्रह 62,009 करोड़ रुपए रहा था। पिछले साल कोविड-19 महामारी की वजह से राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। इससे जीएसटी संग्रह में भी गिरावट आई थी। हालांकि, मई महीने का जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2021 के 1.41 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड से कम रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी बयान के अनुसार, मई में कुल जीएसटी संग्रह 1,02,709 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 17,592 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का हिस्सा 22,653 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का हिस्सा 53,199 करोड़ रुपए रहा। इसमें 26,002 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए जबकि उपकर का हिस्सा 9,265 करोड़ रुपए रहा। उपकर में 868 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए। उपरोक्त आंकड़े घरेलू लेनदेन पर चार जून तक जीएसटी संग्रह के हैं। कोविड-19 की दूसरी लहर की वजह से करदाताओं को मई में 15 दिन की देरी से रिटर्न दाखिल करने पर ब्याज में छूट/कटौती के रूप में राहत दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि कई राज्यों में सख्त लॉकडाउन के बावजूद संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है।

विजय माल्या को बड़ा झटका, कोर्ट ने बैंकों को उनकी संपत्ति बेचने की दी अनुमति

बिजनेस डेस्क :

प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या की संपत्ति को जब्त करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट ने विजय माल्या की 5,600 करोड़ की संपत्ति को बैंकों को सौंपने का आदेश दिया है, जो अब तक प्रवर्तन निदेशालय के पास थी। कोर्ट के आदेश के बाद पंजाब नेशनल बैंक के एमडी मल्लिकार्जुन राव ने कहा कि अब पहले प्रमुख बैंक इस संपत्ति को बेचेंगे। उन्होंने बताया कि विजय माल्या की कंपनी किंगफिशर में पीएनबी का ज्यादा कर्ज नहीं है लेकिन एक बार प्रमुख बैंकों की जब्ती के बाद पीएनबी को उसका हिस्सा मिल जाएगा। बता दें कि कोर्ट ने 24 मई को 4233 करोड़ रुपए और एक जून को 1411 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी बैंकों को देने का आदेश दिया था। अब एसबीआई के नेतृत्व में बैंकों के कंसोर्टियम माल्या की इन प्रॉपर्टी को जब्त करेगी। दरअसल, एसबीआई के नेतृत्व में 17 बैंकों के कंसोर्टियम ने विजय माल्या को 9000 करोड़ रुपए का लोन दिया था। अब उस कर्ज की रिकवरी के लिए बैंकों की ओर से उसकी संपत्ति को बेचा जा रहा है। बैंक इस संपत्ति की नीलामी भी करवा सकता है। विशेष न्यायाधीश जे सी जगदाले ने कहा कि संपत्तियों के दावेदार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं और उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि माल्या ने खुद बकाया राशि के भुगतान का प्रस्ताव रखा था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि दावा करने वाले बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं और ये जनता के पैसे का लेन-देन कर रहे हैं। बता दें कि पिछले महीने पीएमएलए कोर्ट ने कहा था कि ईडी की तरफ से विजय माल्या की जो संपत्ति जब्त की गई है, बैंक उनसे वसूली कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व पर्यावरण दिवस पर टाटा मुंबई मैराथन की अनोखी पहल

मुंबई। एशिया के प्रतिष्ठित टाटा मुंबई मैराथन ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 मई) के अवसर पर प्रोजेक्ट मुंबई की ओर से शुरू की गई पहल ईच वन, प्लांट वन अभियान को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। टाइगर श्रॉफ इस इवेंट का चेहरा हैं। युवाओं के आइकन का मानना है कि सभी अच्छी चीजों की शुरूआत घर से होती हैं। अच वन, इच प्लांट-नागरिकों को अपने घरों में हरियाली के लिए एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करता है। टाइगर श्रॉफ ने कहा, हर एक पौधे के साथ मैं एक बेहतरीन कल के लिए एक शक्तिशाली प्रतीक बनाना चाहता हूं। पर्यावरण परिवर्तन एक मैराथन की तैयारी के समान है। यह लगातार प्रतिबद्धता सही कदम से शुरू होता है। मैं सभी से अपने परिवेश की सुरक्षा और सुविधा के भीतर एक पौधा लगाने और मेरे साथ टाटा मुंबई मैराथन और प्रोजेक्ट मुंबई के साथ इस हरित यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह करता हूं। टाटा मुंबई मैराथन के 17वें संस्करण का आयोजन 30 मई को होना था। लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। आयोजक प्रोकेम इंटरनेशनल ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार और संबंधित एथलेटिक निकायों के साथ विचार-विमर्श के बाद नई तिथि की घोषणा की जाएगी।

टी20 विश्व कप का आयोजन भारत से बाहर होना लगभग तय, इन देशों में हो सकते हैं मैच

नई दिल्ली ।

भारत में अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित टी20 विश्व कप का आयोजन यूएई और ओमान में करने की तैयारी हो रही है क्योंकि देश में कोविड-19 की मुश्किल स्थिति के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आंतरिक रूप से आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को इसकी तैयारी शुरू करने की सूचना दे दी है। इस टूर्नामेंट के लिए यूएई हमेशा पहला विकल्प था, अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में शुरू होने विश्व कप के लिए अबू धाबी, दुबई और शारजाह के साथ ओमान की राजधानी मस्कट को चौथे स्थल के रूप में जोड़ा गया है। आईसीसी बोर्ड में इस घटनाक्रम से अवगत बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि हां, बीसीसीआई ने आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान औपचारिक रूप से अंतिम निर्णय लेने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा है, लेकिन आंतरिक रूप से उन्होंने कहा है कि वे मेजबानी के अधिकार रखना चाहेंगे और टूर्नामेंट के संयुक्त अरब अमीरात तथा ओमान में आयोजन पर कोई आपत्ति नहीं होगी। 16 टीम की प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर के मैचों के लिए मस्कट को विशेष रूप से मेजबान के तौर पर रखा गया है। इससे आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के 31 मैचों की मेजबानी करने वाले यूएई के तीन मैदानों को तरोताजा होने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर आईपीएल 10 अक्टूबर तक खत्म हो जाता है तो यूएई में टी20 विश्व कप के मैचों को नवंबर में शुरू किया जा सकता है। इससे वैश्विक प्रतियोगिता के लिए पिचों को तैयार करने के लिए तीन सप्ताह का समय मिलेगा। इस बीच पहले सप्ताह के मुकाबले ओमान में खेले जा सकते है। आईसीसी बोर्ड के अधिकांश सदस्यों का मानना है कि भारत समय काटने की कोशिश कर रहा है क्योंकि अक्टूबर- नवंबर में परिस्थितियां कैसी होगी इसका अंदाजा लगाना काफी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अगर आप व्यावहारिक रूप से इसके बारे में सोचते हैं तो भारत अब कोविड-19 संक्रमण के 1,20,000 से अधिक मामलों रोजाना आ रहे हैं जो कि अप्रैल के अंत और इस महीने की शुरुआत में आने वाले मामलों के मुकाबले में एक तिहाई के करीब है। अधिकारी ने कहा कि आप 28 जून को टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए कैसे हां कह सकते है, अगर तीसरी लहर आती है तो आप अक्टूबर के बारे में अभी से स्वास्थ्य स्थिति के बारे में कैसे सोच सकते है। इस मामले में दूसरा सवाल यह है कि अगर बीसीसीआई भारत में सितंबर में आठ टीमों के आईपीएल को फिर से शुरू करने में झिझक रहा है , तो वह एक महीने के भीतर देश में 16 टीमों की मेजबानी कैसे कर सकता है।उन्होंने कहा कि बीसीसीआई में हर कोई जानता है कि कोविड-19 पर मानसून का कोई असर नहीं होगा। इस टूर्नामेंट पर 2500 करोड़ रूपये के राजस्व का दांव लगा होगा।

एक ओलंपिक कोटे के लिए भिड़ेंगे जुडोका सुशीला और जसलीन

बुडापेस्ट। भारत के पुरुष जूडो खिलाड़ी जसलीन सिंह सैनी और महिला खिलाड़ी सुशीला देवी रविवार से यहां शुरू होने जा रही विश्व जूडो चैंपियनशिप में टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करनेका प्रयास करेंगे। भारतीय जुडोका ओलंपिक के लिए सिर्फ एक महाद्वीपीय कोटा स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके लिए दो सर्वश्रेष्ठ रैंक वाले खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। एक नेशनल कोच ने शनिवार को आईएएनएस से कहा, महिलाओं के 48 किग्रा में सुशीला देवी और पुरुषों के 66 किग्रा में जसलीन सिंह सैनी अपने-अपने भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हंगरी में होने वाला आठ दिवसीय यह टूर्नामेंट ओलंपिक क्वालीफिकेशन का आखिरी टूर्नामेंट है। सुशीला और सैनी में से कोई एक ओलंपिक खेलों में भाग ले सकते हैं। सुशीला 989 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज भारतीय जुडोका हैं जबकि सैनी के पास लगभग 920 अंक हैं। विश्व जूडो चैंपियनशिप में प्रत्येक जीत से 200 अंक प्राप्त होंगे और महीने के

अंत में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेगा। टूर्नामेंट में 279 महिला समेत करीब 600 जुडोका भाग लेंगे।

जॉर्जिया की नाना दगनिडजे नें जीता पाँचवाँ फीडे स्पीड चैस क्वालिफायर

नई दिल्ली (निकलेश जैन) जॉर्जिया की शीर्ष शतरंज खिलाड़ी और विश्व नंबर 8 ग्रांड मास्टर नाना दगनिडजे महिला स्पीड चैस के फाइनल चरण मे क्वालिफायर के जरिये प्रवेश करने वाली पाँचवीं खिलाड़ी बन गयी है , इससे पहले भारत की हारिका द्रोणावल्ली , आर वैशाली , उक्रेन की उलिजा उसमाक और कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबाएवा क्वालिफायर जीतकर मुख्य चरण मे प्रवेश पा चुकी है और अब अंतिम तीन क्वालिफायर अगले दो दिनो मे खेले जाने बाकी है । फाइनल प्ले ऑफ मे नाना दगनिडजे नें रोमानिया की शीर्ष खिलाड़ी लिलित मकरतचैन को टाईब्रेक मे 2-1 से पराजित करते हुए पाँचवाँ क्वालिफायर अपने नाम किया । महिला स्पीड चैस का फाइनल चरण मे 10 जून से 3 जुलाई तक मुक़ाबले खेले जाएँगे जिसमें 8 खिलाड़ियों को रैंकिंग के आधार पर सीधे प्रवेश दिया गया है जबकि आठ खिलाड़ियों को क्वालिफायर के जरिये प्रवेश मिलना है । भारत की कोनेरु हम्पी के अलावा रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक ,बुल्गारिया की एंटोनिया स्टेफ़नोवा ,उक्रेन की अन्ना मुजयचूक ,यूएसए की इरिना कृश ,रूस के लागनों काटेरयना को भी प्रतियोगिता मे सीधा प्रवेश दिया गया है । प्रतियोगिता का कुल पुरुष्कार 64.000 यूएस डॉलर का रखा गया है ।

फ्रेंच ओपन : पूर्व उपविजेता वोंद्रोयूसोवा चौथे राउंड में पहुंची

पेरिस।

चेक गणराज्य की मार्कोटा वोंद्रोयूसोवा ने पोलोना हर्कोग को सीधे सेटों में मार्केटा वोंद्रोयूसोवा हराकर यहां जारी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में अपनी जगह बना ली। 2019 की उपविजेता वोंद्रोयूसोवा ने हर्कोग को 6-3, 6-3 से मात दी।2019 के संस्करण में फाइनल में एश्लेग बार्टी से हारने वाली वोंद्रोयूसोवा ने अपनी पहली सर्विस पर 73 प्रतिशत अंक जोड़े। उन्होंने साथ ही तीन ऐस भी लगाए।शुक्रवार रात खेले गए अन्य मुकाबलों में स्पेन की पॉला बदोसा गिबर्ट ने तीन सेटों तक चले मुकाबले में रोमानिया की एना बोगडन को 2-6, 7-6, 6-4 से पराजित किया।वहीं, सातवीं सीड अमेरिकी स्टार सेरेना विलियम्स ने अपने करियर के 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को बरकरार रखते हुए फ्रेंच ओपन के महिला एकल मुकाबलों के चौथे दौर में प्रवेश किया। सेरेना अपने ही देश की डेनिएले कोलिंस को 6-4, 6-4 से हराते हुए तीन साल बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। विश्व की 32वें नम्बर की खिलाड़ी रूस की अनास्तासिया पैवलेंचेनकोवा ने नम्बर-3 बेलारूस की आर्यना सेबालेंका को हराते हुए बड़ा उलटफेर किया। अनास्तासिया ने यह मैच 6-4, 2-6, 6-0 से जीता और दूसरी बार प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। जापान की नाओमी ओसाका के हटने औ वर्ल्ड नम्बर-1 एलिसा बार्टी के चोटिल होने के बाद आर्यना टूनार्मेंट में सबसे ऊंची सीड की खिलाड़ी रह गई थीं। अब अगले दौर में अनास्तासिया का सामना बेलारूस की ही विक्टोरिया एजारेंका से होगा, जिन्होंने अमेरिका की मेडियन कीज को 6-2-6-2 से हराया। कजाकिस्तान की 21वीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और 23 वर्षीय स्लोवेनियाई तमारा

जिदानसेक ने भी पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। एलेना ने 12 एसे और 26 विनर्स लगाते हुए रूसी एलेना वेस्नीना को 6-1, 6-4 से हराया, जबकि तमारा ने विश्व नंबर-68 चेक गणराज्य की कतेरीना सिनियाकोवा को 0-6, 7-6 (5), 6-2 से हराया। एलेना अगले मैच में सेरेना से भिड़ेंगी, जबकि तमारा प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानियाई सोराना क्रिस्टिया और रूस की डारिया कसाटकिना के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी।

संक्षिप्त समाचार

फ्रेंच ओपन : पांचवीं सीड सितसिपास चौथे दौर में

पेरिस। पांचवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्तेफानोस सितसिपास ने अमेरिका के जान इस्नर के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 6-3, 7-6(3), 6-1 से जीत हासिल कर वर्ष के दूसरे ग्रैंड सलेम फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। यूनानी खिलाड़ी की छह फुट 10 इंच लम्बे इस्नर ने शुक्रवार रात हुए इस मुकाबले में कड़ी परीक्षा ली। पिछले सत्र में सेमीफाइनल तक पहुंचे स्तेफानोस की मौजूदा सत्र में क्ले कोर्ट पर यह 19वीं जीत है और सत्र में उनकी यह ओवरआल 36वीं जीत है जो मौजूदा सत्र में संयुक्त रूप से सर्वाधिक है। फेडेरिको डेलबोनिस ने भी 36 जीत हासिल की हैं। स्तेफानोस ने यह मुकाबला दो घंटे 38 मिनट में जीता। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब स्तेफानोस चौथे दौर में पहुंचे हैं और राउंड 16 में उनका मुकाबला 12वीं सीड स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता से होगा जिन्होंने स्टीन जॉनसन को 6-4, 6-4, 6-2 से पराजित किया। इस बीच शनिवार को 10वीं सीड अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन ने जर्मनी के फिलिप कॉलश्रेबर को दो घंटे दो मिनट में 6-4, 6-2 , 6-1 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया।जबकि अमेरिका की स्लोयेंस स्टीफंस ने 18वीं सीड चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराकर चौथे दौर में स्थान बना लिया। स्टीफंस ने यह मुकाबला एक घंटे 55 मिनट में जीता।

हॉकी इंडिया कोचों, अधिकारियों के लिए एएचएफ की आनलाइन कार्यशाला

नई दिल्ली । एशियाई हॉकी महासंघ हॉकी इंडिया के कोचों, अंपायरों और तकनीकी अधिकारियों के लिये इस महीने 3 वर्चुअल शैक्षणिक कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। एएचएफ पिछले 11 महीने से हर 30 दिन पर ऐसी कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसमें 12 से 30 कोच और अंपायर भाग लेंगे। अंपायरों को फैसले लेने के विभिन्न पहलुओं की तकनीकी जानकारी दी जाएगी जबकि कोचों को गोल स्कोरिंग के विभिन्नद पहलुओं के बारे में बताया जाएगा। यह कार्यशाला निशुल्क होगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बम ने कहा- हमारे कोचों, अंपायरों और तकनीकी अधिकारियों को कार्यशालाओं से काफी फायदा हुआ है। हम इसके लिए एशियाई हॉकी महासंघ के शुक्रगुजार हैं। कार्यशाला 19, 20 और 27 जून को आयोजित की जाएगी।

सुनील गावस्कर का बड़ा बयान, कोहली की टीम महान ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज जैसी नहीं

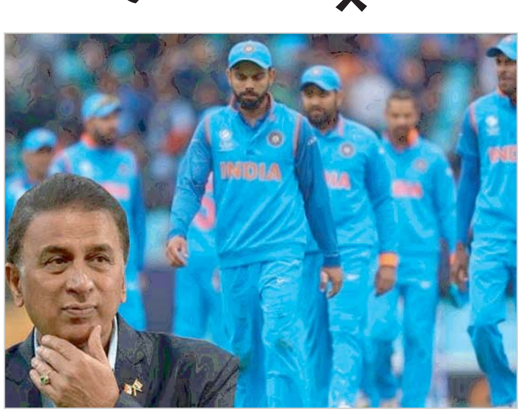

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो टेस्ट सीरीज जीतने के बाद मौजूदा भारतीय टीम की तुलना विश्व-विजेता वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलियाई टीमों से की जा रही है, हालांकि विराट कोहली की टीम ने अभी तक विदेशी धरती पर खुद का दबदबा साबित नहीं किया है। इसके साथ ही भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। जीतनी है, जहां उन्हें 2018 में अपमानजनक श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने करीबी मुकाबले के बाद ही 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला जीती थी। उन जीतों को एकतरफा नहीं कहा जा सकता है जैसे 1980 के दशक में वेस्टइंडीज और 1990 और 2000 के दशक में ऑस्ट्रेलिया ने जीती थी। लेकिन दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर इस तुलना से खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि भारत उस तरह हावी नहीं हो पाएगा जैसा पहले वेस्ट इंडीज या ऑस्ट्रेलिया ने किया था। क्योंकि भारतीय टीम अभी लगातर जीत हासिल नहीं कर पा रही है। गावस्कर ने कहा मुझे यकीन नहीं है कि विराट कोहली की भारतीय वेस्टइंडीज की तरह हावी होने में सक्षम होंगे। वे सभी पांच टेस्ट मैच जीतते थे। यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई भी पांच में से चार जीतते थे। मुझे यकीन नहीं है कि यह भारतीय टीम ऐसा कर सकती है क्योंकि तथ्य यह है कि भारत असल में एक प्रतिभाशाली टीम हैं जिस कारण आप टीम को निरंतर जीत हासिल करते नहीं देखेंगे। हालांकि गावस्कर ने कहा कि अगर यह टीम निरंतर जीत दर्ज करती है तो यह टीम अपराजेय बन सकती है। यही एकमात्र चीज है जो मुझे थोड़ा सा सांस रोक लेती है। लेकिन जहां तक इस टीम की क्षमता का सवाल है मुझे लगता है कि इस टीम में बहुत काबिलियत है।

2024 तक मुम्बई सिटी एफसी के साथ बने रहेंगे बोर्जेस

मुम्बई।

आईएसएल चैम्पियन मुम्बई सिटी एफसी ने शनिवार को अपने मिडफील्डर रोवलिन बोर्जेस को करार में तीन साल का एक्सटेंशन दिया। अब बोर्जेस 2024 तक क्लब के साथ बने रहेंगे। नए करारनामे के मुताबिक शर्तो में इस बात का भी जिक्र है कि करार में एक साल और विस्तार किया जा सकता है। गोवा में जन्में बोर्जेस ने मुम्बई को आईएसल के सातवें सीजन का चैम्पियन बनाने में अहम रोल निभाया था। वह 20 मैचों में खेले थे और इस दौरान दो गोल करने के अलावा एक एसिस्ट भी किया था। 28 साल के बोर्जेस अभी भारतीय टीम के साथ कतर में हैं। बोर्जेस ने कहा, यह सम्मान की बात है। बीते दो साल में मैंने मुम्बई के साथ रहते हुए काफी कुछ सीखा है। खासतौर पर बीता सीजन शानदार रहा है। यह सीजन हमारे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। मुम्बई के कोच सर्जियो लोबेरो ने भी बोर्जेस के करार में विस्तार का स्वागत किया है। लोबेरो ने कहा, ट्रॉफियां जीतने के लिए आपके पास अच्छे भारतीय खिलाड़ी होने चाहिए और मुझे लगता है कि बोर्जेस मिडफील्ड में श्रेष्ठ हैं। उन्होंने लगातार अपनी गुणवत्ता दिखाई है और विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में उन्होंने पिछले सीजन में इसे फिर से साबित किया है। वह न केवल अनुभवी हैं बल्कि एक टीम मैन भी हैं। जो मेरे लिए यह सबसे ज्यादा मायने रखता है।

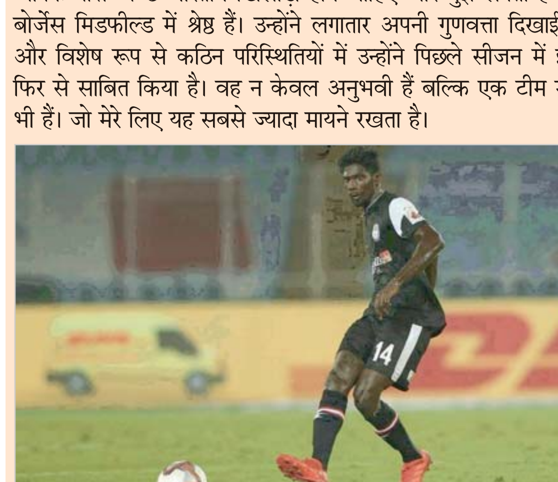

भारतीय मिडफील्डर अनिरूद्ध थापा दोहा में कोविड-19 जांच में पॉजिटिव

नई दिल्ली = भारतीय मिडफील्डर अनिरूद्ध थापा कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आये हैं और दोहा में टीम के होटल में एक अलग कमरे में पृथकवास में हैं। थापा को बुधवार को पॉजिटिव पाया गया। इससे एक दिन पहले भारत को विश्व कप और एशियाई कप के संयुक्त क्वालीफायर मुकाबले में एशियाई चैम्पियन कतर से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास ने शनिवार को कहा कि हां, अनिरूद्ध थापा कोविड-19 पॉजिटिव आये हैं और वह टीम के अन्य सदस्यों से अलग रह रहे हैं। चेन्नयिन एफसी के 23 साल के खिलाड़ी की कुछ दिन में दोबारा वायरस की जांच की जाएगी। भारत पहले ही विश्व कप की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन 2023 एशियाई कप के लिये उम्मीद बरकरार है। ग्रुप ई तालिका में देश छह मैचों में तीन अंक लेकर चौथे स्थान पर है। अभी टीम को सात और 15 जून को दो और मैच खेलने हैं।

फ्रेंच ओपन : सेरेना चौथे दौर में, अनास्तासिया ने आर्यना को हराया

पेरिस।

सातवीं सीड अमेरिकी स्टार सेरेना विलियम्स ने शुक्रवार को अपने करियर के 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को बरकरार रखते हुए फ्रेंच ओपन के महिला एकल मुकाबलों के चौथे दौर में प्रवेस किया। सेरेना अपने ही देश की डेनिएले कोलिंस को 6-4, 6-4 से हराते हुए तीन साल बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। विश्व की 32वें नम्बर की खिलाड़ी रूस की अनास्तासिया पैवलेंचेनकोवा ने नम्बर-3 बेलारूस की आर्यना सेबालेंका को हराते हु बड़ा उलटफेर किया। अनास्तासिया ने यह मैच 6-4, 2-6, 6-0 से जीता और दूसरी बार प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहीं। जापान की नाओमी ओसाका के हटने औ वर्ल्ड नम्बर-1 एलिसा बार्टी के चोटिल होने के बाद आर्यना टूर्नामेंट में सबसे ऊंची सीड की खिलाड़ी रह गई थीं। अब अगले दौर में अनास्तासिया का सामना बेलारूस की ही विक्टोरिया एजारेंका से होगा, जिन्होंने अमेरिका की मेडियन कीज को 6-2-6-2 से हराया। कजाकिस्तान की 21वीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और 23 वर्षीय स्लोवेनियाई तमारा जिदानसेक ने भी पहली बार प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।एलेना ने 12 एसे और 26 विनर्स लगाते हुए रूसी एलेना वेस्नीना को 6-1, 6-4 से हराया, जबकि तमारा ने विश्व नंबर-68 चेक गणराज्य की कतेरीना सिनियाकोवा को 0-6, 7-6 (5), 6-2 से हराया। एलेना

अगले मैच में सेरेना से भिड़ेंगी, जबकि तमारा प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानियाई सोराना क्रिस्टिया और रूस की डारिया कसाटकिना के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी।

मैच फिक्सिंग के आरोप में रूसी टेनिस खिलाड़ी गिरफ्तार

पेरिस। रूस की युगल टेनिस खिलाड़ी याना सिजिकोवा को फ्रांसीसी पुलिस ने मैच फिक्सिंग से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया है।यह मामला बीते साल अक्टूबर में आयोजित फ्रेंच ओपन से जुड़ा है, जिसे कोरोना महामारी के कारण देरी से आयोजित किया गया था। याना ने इस साल एकातेरिना एलेक्सजेंड्रोवा के साथ हिस्सा लिया और पहले ही दौर में हार गईं। समाचार पत्र गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 101वीं रैंक की याना को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह मैच के बाद मैसेज सेशन के लिए जा रही थी याना के होटल के कमरे की भी तलाशी ली गई। यह गिरफ्तारी बीते साल हुए पहले दौर के मुकाबले से जुड़ा है। याना उस साल अमेरिका की मेडिसन ब्रिंगल के साथ खेली थीं और पहली ही दौर में हार गई थीं। बुकमेकर्स ने महसूस किया कि मैच के दौरान याना ने कुछ एननॉर्मल बेटिंग पैटर्न्स दिखाए थे। इससे उन्हें हजारों यूरो का फायदा हुआ था। अगर दोषी पाई गईं तो फिर याना को पांच साल की जेल और पांच लाख यूरो का फाइन हो सकता है। हालांकि उनके वकील ने को यह कहते हुए बताया गया है कि याना ने तमाम आरोपों से इंकार किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

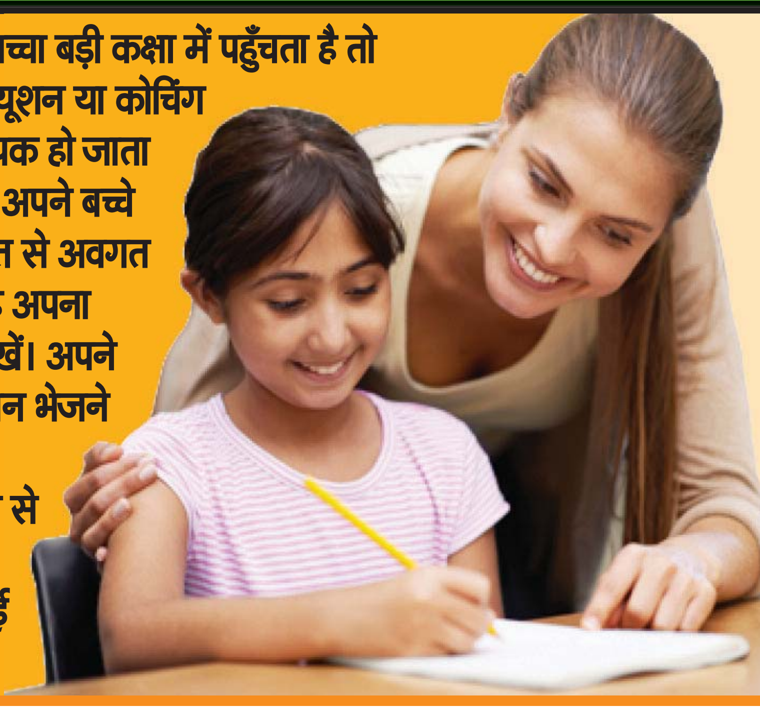

जब आपका बच्चा बड़ी कक्षा में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है, ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दें कि वह अपना ध्यान स्वयं रखें। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें की उसे क्या पढ़ाई करना है।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

आज के समय में सभी को आगे बढ़ने की होड़ में कुछ अलग करना चाहते है। आप अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है। ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी की व्यवस्था करें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी-कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है, समय- समय पर यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है। यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

बच्चों के साथ करें ऐसा व्यवहार

बच्चों का पालना पोषण करना आसान काम नहीं है लेकिन इस दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका व्यवहार ऐसो हो कि व भविष्य में बेहतर नागरिक बनकर उभरें। बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वो बच्चों पर छोटी छोटी बातों पर चिल्लाते रहते हैं। इससे बच्चों का व्यवहार भी गुस्सैल हो जाता है। बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार न केवल आप दोनों के संबंध को अच्छा बनाएगा बल्कि बच्चे के पूर्व विकास में भी सहायक होगा।

चिल्लाने से बिगड़ सकती है बात

शायद ही कोई माता-पिता हों, जिन्हें अपने बच्चों पर चिल्लाना न पड़ता हो। बच्चों की शरारत, जिद, बात न मानना या फिर उनकी कोई गलती करना, गाहे-बगाहे आपको मौका दे ही देता है कि आप उन पर गुस्से से चिल्लाएं। बच्चों के साथ आपके इस व्यवहार का कारण हमेशा बच्चे ही हों ये जरूरी नहीं है। कई बार दफ्तर का तनाव, माता-पिता के आपसी रिश्तों में खटास, थकान से पैदा हुआ चिड़चिड़ापन या फिर खराब स्वास्थ्य ऐसे कारण बन जाते हैं, जिनका गुस्सा हम बच्चों पर उतार देते हैं लेकिन बच्चों पर चिल्लाने से आपके और आपके बच्चों के आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। इसके साथ साथ आपकी इस आदत का बुरा असर बच्चों पर पड़ता है।

अगर आप कामकाजी महिला है और आप अपने ऑफिस के लिए तैयार होते होते अपने बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती होंगी। ये बहुत मुश्किल काम है, खासतौर पर तब जब बच्चे छोटे हों। ऐसे में जब बच्चे आपके निर्देशों को मानकर ठीक से तैयार नहीं होते और साथ ही आप को देरी होने लगती है तो आप उनपर चिल्ला देती होंगी। इससे बचने का एक आसान तरीका ये है कि बच्चों के जागने से कुछ देर पहले उठें। अपनी तैयारी कर लें फिर बच्चों को तैयार होने में मदद करें। या फिर पहले बच्चों को तैयार करवा दें, उन्हें नाश्ता करने दें, और उस दौरान आप तैयार हो जाएं। योजना के अनुसार काम से आपको परेशानी नहीं होगी।

रोल मॉडल बनें

बच्चे आमतौर पर वही करते हैं, जो वो अपने माता-पिता से सीखते हैं। अगर वो आपसे चिल्लाने की आदत सीख कर, अपने से छोटे भाई या बहन को फिजूल में डांटें, उन पर बेबात चिल्लाए, तो बेशक आपको अच्छा नहीं लगेगा। जब आप उन पर छोटी-बड़ी बातों पर चिल्लाएंगे, उन्हें बुरी तरह से डाटेंगे तो वो आपसे यही सब सीख कर अपने से छोटों के साथ करेंगे। इस स्थिति से बचने के लिए अपने बच्चों के रोल मॉडल बनें। आप जैसा व्यवहार उनका देखना चाहते हैं, वैसा ही उनके साथ करें।

बच्चों के मुताबिक उम्मीदें लगाएं

हर बच्चे की अपनी अलग क्षमता होती है। आप अपने बच्चे को उसका कमरा साफ करने के लिए कह दें, और वो इस काम को अच्छी तरह से न कर पाए। तो इसका मतलब ये नहीं कि वो आपकी बात नहीं मानता, हो सकता है कि वो उस लिहाज से छोटा हो, या इतना काम उसे न आता हो। बच्चे पर चिल्लाने की बजाय उन उम्मीदों पर ध्यान दें जो आप उनसे लगाते हैं। बच्चों को उनकी उम्र और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें।

ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों से जब भी बात करें अपनी आवाज पर खास ध्यान दें। बच्चों से बहुत तेज़ आवाज में बात न करें। बच्चे तेज आवाज से डर जाते हैं और वो अपनी बात सामने नहीं रख पाते। ऐसे में हो सकता है कि आप उन्हें ऐसी बात पर डांट दें, जिसमें उनकी कोई गलती ही न हो। बेहतर रहेगा कि आप अपने गुस्से या नाराजगी पर नियंत्रण करके बच्चे से सामान्य होकर बात करें।

चेतावनी देकर छोड़ें

अगर बच्चा कोई बड़ा नुकसान या गलती कर दे तो उसपर तुरंत चिल्लाएं नहीं। बच्चे को थोड़ा डांट समझा कर चेतावनी दे कर छोड़ दें। वैसे भी, आपके चिल्लाते रहने का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अगर आप उसे वॉर्निंग देंगे तो वो आगे से वैसी गलती करने से पहले सोचेगा।

चिल्लाए नहीं समझाएं

कई बार ऐसा होता है कि आप एक बात को चिल्ला चिल्ला कर 10 बार कहते हैं लेकिन तब भी आपका बच्चा आपकी बात नहीं सुनता। वो इसलिए, क्योंकि वो आपकी इस आदत का आदि हो चुका है। उसे आपके चिल्लाने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसलिए अगर आपको बच्चे को कुछ कहना हो तो बजाय कि दूर से चिल्लाते रहने के उसके पास जाएं, उसका ध्यान अपनी ओर खींचे, उससे आंखें मिलाएं और फिर मजबूती से अपनी बात सामने रखें। ऐसे में बच्चा आपको और आपकी बात को अनदेखा नहीं कर सकता।

आजकल के बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। जाने-अनजाने हम सभी इसकी गिरफ्त में आ गए हैं। आजकल के बच्चे अपने प्रश्नों का उत्तर ढूंढने के लिए किताबें खंगालने की बजाय गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी का ये दौर बच्चों के मानसिक विकास के लिए प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है।

डिजिटल युग में बिगड़ते जा रहे हैं हमारे बच्चे

आज के युग को डिजिटल युग भी कहा जाता है। दरअसल, यह ऐसा समय है जिसमें बेहद छोटी उम्र से ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया जा रहा है और जब उनकी खेलने-कूदने की उम्र आती है तो वे पूरा दिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। आजकल ज्यादातर घरों में अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिए या खाना खिलाते वक्त उनके सामने यूट्यूब वीडियोज और गेम्स खोलकर रख देते हैं ताकि वे इनमें व्यस्त रहें, लेकिन इस बात की गंभीरता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे न सिर्फ बच्चों की आंखें खराब हो रही है बल्कि व्यवहार में खासा नकारात्मक बदलाव आ रहा है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे आसानी से मोबाइल एप्स, गेम्स चला रहे हैं और 8-10 साल के कई बच्चे आपको सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय मिल जाएंगे, अगर आपके बच्चे भी सोशल मीडिया और गूगल के शिकंजे मे फंसते जा रहे हैं तो उन पर किसी भी प्रकार की बंदिश लगाने की बजाय कुछ सावधानियां आजमाएं। इस विषय पर 'जीवनधारा रिहेब्लिटेशन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट बरेली से फिजियोलॉजिस्ट मानसी सिंह राठौड़ आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आई हैं जो आपको अपनी परवरिश में शामिल करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर नज़र

सबसे पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि क्या आपका बच्चा उस उम्र में पहुंच चुका है, जिसमें वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सके? क्योंकि छोटी उम्र के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर गलत कदम उठा लेते हैं या आपराधिक विचारधारा के बन जाते हैं और यदि वो सोशल मीडिया के इस्तेमाल के योग्य हो चुका है तो अपने बच्चे से सोशल मीडिया को लेकर बातचीत करें। उससे उसके ऑनलाइन अनुभव के बारे में जानकारी लें। बच्चों को कभी भी अकेले में सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहने दें और न ही अकेले में ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें, क्योंकि उत्सुकतावश आपका बच्चा सर्च इंजन के जरिए न जाने किस खतरे को आमंत्रण दे सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन गेम्स के खतरों के बारे में जानकारी दें और एक समय निर्धारित करें ताकि आपके बच्चे को ऑनलाइन गेम खेलने की लत न लगे। अगर आप चाहें तो लैपटॉप और कंप्यूटर में सर्विलांस सॉफ्टवेयर लगा सकते हैं, जिससे आप इस बात को जान सकेंगे कि आपके बच्चे क्या सर्च कर रहे हैं।

योगा मेडिटेशन

बच्चों में योगा की आदत डालें ताकि आज की भाग-दौड भरी ज़िंदगी में जूझने के लिए तैयार रहें। इससे उनमें एकाग्रता आएगी। सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित करें।संस्कार-आजकल के ज्यादातर अभिभावक के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपनी ज़िम्मेदारियों से तो मुक्त हो जाते हैं पर कहीं न कहीं उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं या फिर यूं कहें उन्हें मालूम ही नहीं है बच्चों को संस्कारी कैसे बनाया जाए।

बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाएं, दूसरों की मदद करना, विनम्रता जैसे संस्कार, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। डायरी लिखने की आदत एकल परिवार की वजह से बच्चे अपने मन की बात जल्दी नहीं कह पाते जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो जाती है, इसलिये उनको दिन भर की बातें डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें और अपने बच्चे से दोस्ती करें ताकि वो आपको ही सारी बातें बताए।

क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पैरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए ही रखें और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें उनसे बातचीत करें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं।

किताबों मे रूचि

मॉरल एजुकेशन वाली बहुत सी किताबें बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चों को ऐसी किताबें लाकर दें ताकि उनका ध्यान टीवी, कंप्यूटर और लैपटॉप की ओर कम जाए और उनमें नैतिकता का विकास हो। आधुनिक अभिभावक की सोच है कि मेरा बच्चा, किसी भी स्थिति में किसी से कम न हो और बस इसी भागदौड़ में लगे रहते हैं। बच्चों को सुविधा तो दीजिए, पर ध्यान रहे वो उसका दुरूपयोग न करे।

मोबाइल से दूरी

बच्चों को व्यस्त रखने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। आजकल बाजार में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए तरह-तरह के किट आते हैं, जिससे बच्चों का मानसिक विकास तो होगा ही साथ ही साथ आपका बच्चा मोबाइल से दूर रहेगा। बड़े बच्चों को आउटडोर इनडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करिए, जिससे उनके शरीर और मस्तिष्क दोनों का ही विकास होगा और उनमें एक नई ऊर्जा आएगी।

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

अपने बच्चे को बचपन से ही सिखायें शेयर करना

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी पसंदीदा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं।

कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी और शी दोनों जिम्मेदार नेता, भारत और चीन के मुद्दों को सुलझाने में सक्षम: पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)। (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को इस बात पर जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दोनों ''जिम्मेदार नेता'' हैं,जो दोनों देशों के बीच मुद्दों का समाधान करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि''क्षेत्र से इतर किसी भी ताकत'' को इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये। चार देशों के समूह क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) की रूस द्वारा सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के बीच पुतिन ने कहा कि किसी राष्ट्र को किसी पहल में किस तरह शामिल होना चाहिए और उन्हें अन्य देशों के साथ किस सीमा तक संबंध बनाने चाहिए, यह आकलन करने का काम मॉस्को का नहीं है, लेकिन कोई भी साझेदारी किसी अन्य के खिलाफ एकजुट होने के मकसद से नहीं होनी चाहिए। क्वाड तथा इस समूह में भारत के शामिल होने पर मॉस्को की राय के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पुतिन की यह टिप्पणी चीन के उस दावे की पृष्ठभूमि में आई हैकि राष्ट्रों का यह समूह रणनीतिक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बीजिंग के प्रभाव को नियंत्रितकरने के लिए बनाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के साथ रूस की साझेदारी तथा मॉस्को और बीजिंग के बीच संबंध में कोई ''विरोधाभास'' नहीं है। पुतिन ने डिजिटल संवाद में एक दुभाषिये की सहायता से कहा, ''हां, मैं जानता हूं कि भारत और चीन के संबंधों से जुड़े कुछ मुद्दे हैं लेकिन पड़ोसी देशों के बीच अनेक मुद्दे हमेशा से होते हैं। हालांकि, मैं भारत के प्रधानमंत्री तथा चीन के राष्ट्रपति, दोनों के रूख से अवगत हूं। वे बहुत ही जिम्मेदार लोग हैं और एक-दूसरे के साथ दृढ़ निश्चय एवं पूरे सम्मान के साथ पेश आते हैं। मुझे भरोसा है कि सामने कोई भी मुद्दा आ जाए, वे उसका समाधान निकाल ही लेंगे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि क्षेत्र से इतर किसी भी ताकत को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये।'' उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष पांच मई को पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच गतिरोध के हालात बने थे। यह 45 साल में पहली बार था कि गतिरोध के दौरान दोनों पक्षों के सैनिक मारे गए थे। पैंगोंग झील क्षेत्र से सैनिकों को पीछे हटाने के मामले में हालांकि सीमित प्रगति हुई है तथा टकराव के अन्य बिंदुओं पर भी ऐसे ही कदम उठाने के लिए वार्ता में गतिरोध बना हुआ है। रूस और चीन के बीच बढ़ती करीबी तथा इसके भारत-रूस सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच संबंध काफी तेजी से और सफलतापूर्वक बढ़ रहे हैं और इन संबंधों का आधार 'विश्वास' है। उन्होंने कहा, ''हमारे भारतीय मित्रों के साथ इस उच्च स्तर के सहयोग की हम अत्यंत सराहना करते हैं। ये संबंध रणनीतिक प्रकृति के हैं। हमारे बीच अर्थव्यवस्था से लेकर ऊर्जा, उच्च प्रौद्योगिकी तक कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग है। जहां तक रक्षा क्षेत्र की बात है, उससे मेरा मतलब सिर्फ रूसी हथियारों की खरीद से नहीं है...भारत के साथ हमारे बहुत गहरे और मजबूत संबंध हैं, जिनका आधार विश्वास है।'' पुतिन ने जोर देकर कहा कि भारत और रूस विशेष रूप से भारत में ही अत्याधुनिक हथियार प्रणाली और प्रौद्योगिकियों के उत्पादन के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और इस लिहाज से भारत, रूस का इकलौता ऐसा साझेदार है। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारा सहयोग केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि यह बहुआयामी है। अमेरिका, भारत, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस समेत विश्व की कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के चुनिंदा शीर्ष संपादकों के साथ बातचीत में रूसी राष्ट्रपति ने विभिन्न विषयों पर प्रश्नों के उत्तर दिए जिनमें रूस-अमेरिका संबंध, महामारी के हालात, रूस के विरूद्ध अमेरिकी पाबंदियां और गाजा जैसे विषय शामिल थे।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा क्वाड की 'एशियाई नाटो' कहकर आलोचना करने के बारे में तथा इस समूह में भारत की भागीदारी पर राय के बारे में पूछने पर पुतिन ने कहा , ''हम क्वाड में शामिल नहीं हो रहे हैं और किसी अन्य देश के किसी भी पहल में शामिल होने पर मूल्यांकन करने का काम मेरा नहीं है, हर एक संप्रभु राष्ट्र को यह निर्णय लेने का अधिकार है कि वे किसके साथ और किस हद तक अपने संबंधों को बढ़ाना चाहता है। मेरा सिर्फ इतना ही मानना है कि देशों के बीच कोई भी साझेदारी करने का उद्देश्य किसी अन्य राष्ट्र के खिलाफ लामबंदी नहीं होनी चाहिए, बिलकुल भी नहीं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ 16 जून को प्रस्तावित अपनी पहली शिखर-वार्ता से पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह इसमें किसी बड़ी सफलता की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम पहले कदम नहीं उठा रहे हैं। मैं उन कदमों की बात कर रहा हूं, जिनसे हमारे संबंध बिगड़े। हमने अमेरिका के खिलाफ पाबंदियां नहीं लगाईं, अमेरिका ने ही हर मौके पर ऐसा किया और वह भी बिना किसी आधार के किया।

विश्व बैंक लेबनान के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाएगा

बेरूत। (एजेंसी)।

विश्व बैंक समूह के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के उपाध्यक्ष फरीद बेलहाज ने कहा कि वैश्विक ऋणदाता लेबनान में सबसे कमजोर परिवारों को आवंटित धन में बढ़ोतरी करेगा।

बेलहाज ने वाजनी से मुलाकात के बाद शुक्रवार को कहा, हम सबसे कमजोर परिवारों को ज्यादा धन की पेशकश करेंगे, जैसा कि लेबनान के वित्त मंत्री गाजी वजनेह ने अनुरोध किया था, इस शर्त पर कि ये धन गरीब परिवारों को जल्द से जल्द नकद में उपलब्ध कराया जाएगा। बेलहज ने उल्लेख किया कि सामाजिक सुरक्षा शुद्ध वित्तपोषण योजना जिसे विश्व बैंक के 246 मिलियन डॉलर के ऋण द्वारा वित्त पोषित किया गया है, को जल्द ही वित्त मंत्रालय द्वारा लागू किया जाएगा। इस साल की शुरूआत में, विश्व बैंक ने सबसे कमजोर परिवारों की मदद करने के उद्देश्य से वित्तपोषण योजना स्थापित करने के लिए ऋण को मंजूरी दी थी क्योंकि लेबनान 50 प्रतिशत से ज्यादा गरीबी दर के साथ अपने सबसे खराब आर्थिक और वित्तीय संकट से गुजर रहा है। 1 जून को जारी एक नई रिपोर्ट में, विश्व बैंक ने कहा कि लेबनान के लंबे समय तक गंभीर आर्थिक अवसाद इसे 19वीं शताब्दी के मध्य के बाद से विश्व स्तर पर 10 सबसे गंभीर संकटों में डाल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, बड़ी चुनौतियों, निरंतर नीतिगत निष्क्रियता और पूरी तरह से कार्यशील कार्यकारी प्राधिकरण की अनुपस्थिति में पहले से ही गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और एक नाजुक सामाजिक शांति के लिए खतरा है, जिसमें कोई स्पष्ट मोड़ नहीं है।

अमेरिकी न्यायाधीश ने कैलिफोर्निया में बंदूकों पर तीन दशक पुराने प्रतिबंध को हटाया

सैकरामेंटो (अमेरिका)। (एजेंसी)।

एक संघीय न्यायाधीश ने बंदूकों पर कैलिफोर्निया में लगे तीन दशक पुराने प्रतिबंध को शुक्रवार को हटाते हुए कहा कि यह हथियार रखने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करता है। सैन डिएगो के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज रोजर बेनिटेज ने आदेश में कहा कि सेना की शैली वाली गैरकानूनी राइफलों की सरकार की परिकैलिफोर्निया के कानून का पालन करने वाले लोगों को गैरकानूनी रूप से हथियार रखने से वंचित करती है जबकि अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने अन्य ज्यादातर राज्यों में हथियार रखने की अनुमति दी हुई है। उन्होंने इस कानून को स्थायी रूप से रद्द करने का आदेश दिया लेकिन इस पर 30 दिनों की रोक लगा दी ताकि राज्य के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा को अपील करने का वक्त मिल सके।

गवर्नर गैविन न्यूसम ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह ''जन सुरक्षा और निर्दोष कैलिफोर्निया वासियों की जिंदगियों के लिए सीधा खतरा है।'' कैलिफोर्निया में असॉल्ट हथियारों पर सबसे पहले 1989 में पाबंदी लगाई गई थी और तब से इसमें कई बार संशोधन किए गए। राज्य के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने दलील दी कि असॉल्ट हथियारों को कानून में अन्य आग्नेयास्त्रों के मुकाबले अधिक खतरनाक बताया गया है और इनका अपराधों, सामूहिक गोलीबारी तथा कानून प्रवर्तन के खिलाफ अधिक इस्तेमाल होता है।

चीन, अमेरिका और भारत को मिले दुनियाभर में 60 प्रतिशत कोविड-19 वैक्सीन!

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा कि अब तक विश्व भर में वितरित किए गए कोविड-19 रोधी दो अरब टीकों में से करीब 60 प्रतिशत टीके महज तीन देशों चीन, अमेरिका और भारत को मिले हैं। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस अदहानोम गेब्रेयेसस के वरिष्ठ सलाहकार ब्रुस एलीवर्ड ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''इस हफ्ते हमें दो अरब से अधिक टीके मिलेंगे...हम टीकों की संख्या और नए कोविड-19 रोधी टीकों के लिहाज से उल्लेखनीय दो अरब टीकों का आंकड़ा पार कर लेंगे। इन्हें 212 से अधिक देशों में वितरित किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम दो अरब टीकों की तरफ देखें तो 75 प्रतिशत से अधिक खुराक महज 10 देशों को मिली है। यहां तक कि 60 फीसदी टीके तीन देशों चीन, अमेरिका तथा भारत को मिले हैं।''

एलीवर्ड ने कहा कि कोवैक्स ने कोविड-19 रोधी टीके 127 देशों में वितरित करने और कई देशों में टीकाकरण अभियान शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि दो अरब टीकों में से चीन, भारत और अमेरिका को मिली 60 प्रतिशत खुराकों को ''घरेलू रूप से खरीदा और इस्तेमाल किया गया।'' एलीवर्ड ने कहा कि केवल 0.5 प्रतिशत टीके कम आय वाले देशों को गए जो दुनिया की आबादी का 10 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा, ''अब दिक्कत यह है कि टीकों की आपूर्ति बाधित हो रही हैं। भारत तथा अन्य देशों में दिक्कतों के कारण बाधाएं हो रही है तथा इस खाई को भरने में मुश्किल हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कम से कम चौथी तिमाही में फिर से टीकों की आपूर्ति शुरू करें।'' दुनिया का सबसे बड़ा टीका निर्माता एसआईआई कोवैक्स को एस्ट्राजेनेका टीकों की आपूर्ति करने वाला अहम संस्थान है। भारत में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण कोवैक्स को टीकों की आपूर्ति बाधित हो गयी है।

एक महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए किम जोंग, अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाएंगे तानाशाह

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन करीब एक महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए और उन्होंने अपनी सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक की अध्यक्षता की। साथ ही चरमराती अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों पर चर्चा के लिए वृहद राजनीतिक सम्मेलन करने का आह्वान किया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने शनिवार को बताया कि किम ने इस बात की सराहना की कि पार्टी के ''वैचारिक उत्साह और आत्म निर्भरता के लिए लड़ाई की भावना'' के चलते काफी काम किया जा रहा है। शुक्रवार को पोलितब्यूरो की बैठक में आए किम छह मई के बाद से पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखे। तब उन्होंने उत्तर कोरियाई सैनिकों के परिवारों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं थीं। महामारी के कारण सीमाएं बंद होने से उत्तर कोरिया की पहले से ही अस्थिर अर्थव्यवस्था और चरमरा गई है। सीमाएं बंद होने से उसके प्रमुख सहयोगी चीन के साथ व्यापार कम हो गया है। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया को ''प्रतिकूल परिस्थितियों और माहौल'' से पैदा हुई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खबर में किम द्वारा अमेरिका या दक्षिण कोरिया के बारे में कोई टिप्पणी किए जाने का जिक्र नहीं किया गया। उत्तर कोरिया ने किम और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फरवरी 2019 में हुई दूसरी शिखर वार्ता नाकाम रहने के बाद से परमाणु वार्ता बहाल करने की अपीलों को अब तक नजरअंदाज किया है।

रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, अफगानिस्तान-पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में छिपे हैं अलकायदा के कट्टर आतंकवादी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी संगठन अलकायदा के अधिकतर कट्टर आतंकवादी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में रह रहे हैं, इनमें संगठन का पूर्व सरगना आयमन अल जवाहिरी भी शामिल है। माना जाता है कि जवाहिरी जिंदा है और बेहद कमजोर है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की गयी। इसमें कहा गया है कि तालिबान से जुड़े अलकायदा के आतंकवादी और अन्य विदेशी चरमपंथी अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में रह रहे है। अलकायदा आतंकवादी आयमन मोहम्मद रबी अल-जवाहिरी के बारे में माना जा रहा कि वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में कहीं छिपा है। पूर्व में खराब स्वास्थ्य के कारण उसकी मौत की खबरें आयी थीं लेकिन उसकी पुष्टि नहीं हो पायी। रिपोर्ट के मुताबिक जवाहिरी जिंदा है लेकिन इतना कमजोर हो गया है कि उसके बारे में नहीं बताया जाता है। रिपोर्ट में देश का नाम नहीं बताया गया है। अलकायदा के नेतृत्व में मूल रूप से गैर अफगान लोग हैं और इसमें उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशियाई देशों के नागरिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ''सदस्य देशों का आकलन है कि अलकायदा और तालिबान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वर्तमान में औपचारिक वार्ता नहीं हो रही। वहीं, एक सदस्य देश ने कहा है कि शांति प्रक्रिया को लेकर तालिबान और अलकायदा के बीच लगातार संवाद हो रहा है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा तालिबान की सरपरस्ती में अफगानिस्तान के कंधार, हेलमंद और निमरूज प्रांतों में सक्रिय है। इस समूह में अफगान और पाकिस्तानी नागरिकों के अलावा बांग्लादेश, भारत और म्यांमा के भी आतंकी है। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा का वर्तमान नेता ओसामा महमूद है और उसने असीम उमर की जगह ली है।

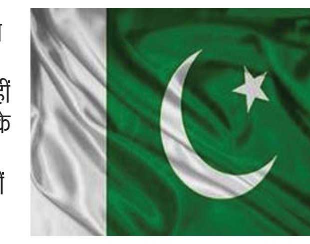

इजरायल में नई सरकार को नए युग की शुरूआत के रूप में देख रहे लोग

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

इजरायल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू की कुर्सी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। राजनीतिक जगत में इजराइलियों ने चार असफल प्रयासों के बाद एक नई सरकार के गठन को एक नए युग की शुरूआत के रूप में देख रही है।

इजरायल-अरब एक ही समय में आशा और चिंता को जन्म देते हैं। क्या यह लाखों प्रश्न होने के लिए पर्याप्त समय तक चलेगा। फिर भी पूरी राजनीतिक जगत चाहती है कि यह नए परिवर्तन गठबंधन को सभ्य समावेशी शासन पर जोर दें। अपने इतिहास में यह पहला मौका होगा जब एक इजरायली अरब पार्टी एक शासी गठबंधन में शामिल हुई है। मध्य-बाएं हारेत्ज अखबार के एक संपादकीय ने स्वीकार किया कि नई सरकार के सीम मोटे तौर पर एक साथ चिपके हुए हैं और किसी भी समय विभाजित हो सकते हैं। फिर भी यह आशा व्यक्त की कि नई राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार, यदि सफल हो, इजराइल में राजनीति और सार्वजनिक प्रवचन को तर्क और स्तर की अध्यक्षता के रास्ते पर लौटा सकती है। जबकि वैचारिक मतभेदों को छुपाया नहीं जाएगा, यह उनके लिए एक ऐसे स्थान पर मौजूद रहना संभव बना देगा जो स्वच्छ हो, जिसमें राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन या देशद्रोही कहे बिना काम कर सकें। इजराइल के राजनीतिक जगत में एक आम सहमति है कि बेंजामिन नेतन्याहू की बाहुबली विभाजनकारी राजनीति ने असमान नए गठबंधन को मजबूत किया। अखबार में यह भी लिखा, नेतन्याहू अब इतिहास में उस राजनीतिक नेता के रूप में भी नीचे जाएंगे जो गठबंधन बनाने के लिए कट्टर प्रतिद्वंद्वियों को एक साथ लाने में कामयाब रहे। यहां तक कि एक अरब इस्लामवादी पार्टी सहित उन्हें नीचे लाने के एकमात्र उद्देश्य के लिए है। वह इजराइल के सबसे विभाजनकारी राजनेताओं में से एक बन गए हैं। उन्होंने भय और विभाजन के माध्यम से शासन किया और अपनी बात रखने में विफल रहने के लिए कुख्यात हो गए। लेख ने नई सरकार को सच्चे बहुरूपदर्शक गठबंधन के रूप में वर्णित किया है, जो इजरायल के राजनीतिक जगत की पेशकश के लगभग हर रंग को एक साथ लाता है। यह वही है जो हमें हमेशा अपनी सरकार में देखना चाहिए, जितना संभव हो उतना व्यापक प्रतिनिधित्व। हारेत्ज की राय के अनुरूप जेरूसलम पोस्ट का टुकड़ा भी आशावादी था कि कट्टर-राजनीतिक विरोधियों के बीच भी राजनीतिक शालीनता का सम्मान किया जाएगा और व्यक्तिगत नहीं होगा। वे (नई सरकार) इस सप्ताह इसहाक हर्जोग और मिरियम पेरेज के बीच (राष्ट्रपति पद की) दौड़ से एक उदाहरण ले सकते हैं। राष्ट्रपति के लिए दो उम्मीदवारों ने एक दूसरे पर हमला नहीं किया और न ही एक दूसरे का अपमान किया। मध्यमार्गी येश अतीद पार्टी के नेता यायर लैपिड ने घोषणा की कि आठ गुटों के गठबंधन का गठन किया गया था, उसके बाद नई परिवर्तन गठबंधन सरकार का गठन किया गया था। एक रोटेशन व्यवस्था में शामिल है कि दक्षिणपंथी यामिना पार्टी के नफ्ताली बेनेट, लैपिड को शासन सौंपने से पहले प्रधानमंत्री के रूप में काम करेंगे। दोनों के अलावा नए गठन के असली सितारे अरब राम पार्टी के नेता मंसूर अब्बास हैं।

सार समाचार

इन सात देशों को 5.7 करोड़ डॉलर की सहायता देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने तपेदिक से अत्यधिक प्रभावित भारत समेत सात देशों को क्षय रोग को समाप्त करने के प्रयासों में मदद के लिये शुक्रवार को 5.7 करोड़ डॉलर की सहायता राशि देने की घोषणा की। जिन अन्य देशों को यह सहायता दी जा रही है उनमें बांग्लादेश, इंडोनेशिया, फिलिपींस, दक्षिण अफ्रीका, तजाकिस्तान और यूक्रेन शामिल हैं। मीडिया में आयी विज्ञप्ति के अनुसार सरकारों के साथ मिलकर की जा रही यह पहल कोविड-19 महामारी के चलते तपेदिक से उबरने के प्रयास में आयी कमी को एक आधार मुहैया करायेगी। जिन 23 देशों में 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएड) ने अपना ध्यान केन्द्रित किया है, वहां तपेदिक की रोकथाम और इसके नियंत्रण के लिए कोविड-19 के कारण 2019 की तुलना में 2020 में 10 लाख से भी कम लोगों तक इस रोग का उपचार और निदान पहुंचा। यूएसएड ने कहा कि कोविड-19 के साथ ही तपेदिक प्रमुख जानलेवा संक्रामक रोग है, विशेषकर निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में इससे हर साल एक करोड़ लोग बीमार होते हैं और 14 लाख लोगों की जान जाती है। मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया कि वर्ष 2000 से यूएसएड के प्रयासों से छह करोड़ से अधिक जिंदगियां बचायी गयी हैं।

द.अफ्रीका की अदालत ने गुप्ता परिवार की संपत्तियां फ्रीज कीं, धोखाधड़ी का लगा आरोप

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की एक अदालत ने शुक्रवार को भारतीय मूल के विवादित गुप्ता परिवार और उनके सहयोगी इकबाल मीर शर्मा की संपत्तियां 'फ्रीज' कर दी जिनमें पॉश इलाके में मौजूद उनके आलीशान मकान भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय अभियोजन प्राधिकरण (एनपीए)से संबद्ध जांच निदेशालय ने बृहस्पतिवार को इंटरपोल से अतुल गुप्ता और राजेश गुप्ता एवं उनकी पत्नी चेताली व आरती को पकड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट 'रेड नोटिस' जारी करने का अनुरोध किया था। गुप्ता के करीबी मीर शर्मा प्रोविंशियल फ्री स्टेट सरकार के वरिष्ठ अधिकारी के साथ सप्ताहांत जेल में बिता रहे हैं और उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को अदालत में सुनवाई होगी। इससे पहले आईडी के प्रवक्ता सिंडिसिवे सेबोका ने कहा था कि गुप्ता और शर्मा के 1.2 करोड़ दक्षिणी अफ्रीकी रैंड से अधिक राशि के भ्रष्टाचार में शामिल होने का पुख्ता मामला है।

अफगान सेना : तालिबानी लड़ाकों का निशाना बनाकर हमला, कुछ नागरिकों समेत 20 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में सेना द्वारा दक्षिणी हेलमंद प्रांत में तालिबान लड़ाकों को निशाना बनाकर शुक्रवार को किए गए एक हवाई हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई जिनमें से कुछ नागरिक भी शामिल हैं। यह हवाई हमला एक परित्यक्त सैन्य अड्डे के भीतर किया गया। अभी हमला स्थल और मृतकों की संख्या को लेकर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी सेना और नाटो बल इस युद्धग्रस्त देश से बाहर जाने की तैयारी पूरी करने वाले हैं और ऐसी चिंताएं पैदा हो रही हैं कि अफगानिस्तान में इसके बाद फिर हिंसा का दौर शुरू हो जाएगा। सेना ने कहा कि उसने प्रांत के नाहर सराज जिले में तालिबान पर हमला किया क्योंकि ये अड्डे से हथियार और आयुध लूट रहे थे। बयान में बताया गया कि 20 तालिबान लड़ाकों की मौत हुई और कुछ नागरिक भी मारे गए हैं जो कि लूट में आतंकवादियों के साथ शामिल थे। वहीं तालिबान के प्रवक्ता जैबीहुल्ला मुजाहिद ने आरोप लगाया कि अफगान सेना ने नागरिकों पर हवाई हमले किए।

फेसबुक ने डोनाल्ड ट्रंप को दिया झटका, दो साल के लिए किया अकाउंट बैन

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक ने कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को दो साल के लिए निलंबित कर रहा है क्योंकि उसकी जांच में यह पाया गया कि छह जनवरी को कैपिटल बिल्डिंग पर हमले से पहले उन्होंने हिंसा को बढ़ावा दिया था। फेसबुक के उपाध्यक्ष (वैश्विक मामलों) निक क्लेग ने एक पोस्ट में शुक्रवार को कहा कि इस अवधि के अंत के बाद, यह आकलन करने के लिए विशेषज्ञों का सहारा लिया जाएगा कि सार्वजनिक सुरक्षा के जोखिम कम हुए हैं या नहीं। फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग की उस विवादित नीति को भी खत्म करने की भी योजना है जिसमें नेता स्वत: ही घृणा अपराध के नियमों से बच जाते थे। कंपनी ने कहा कि यह नीति ट्रंप पर कभी लागू ही नहीं की थी।

इराकी चुनावों का समर्थन करने के लिए फ्रांस तैयार : मैक्रों

बगदाद। बगदाद में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि उनकी सरकार 10 अक्टूबर को होने वाले इराकी संसदीय चुनावों का समर्थन करने के लिए तैयार है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बयान के हवाले से कहा कि इराकी प्रधान मंत्री मुस्तफा अल कदीमी को शुक्रवार को मैक्रों का फोन आया था, जिसमें राष्ट्रपति ने चुनाव की निगरानी के लिए एक टीम भेजने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को फ्रांस की मंजूरी की पुष्टि की थी। बयान में कहा गया है कि उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी चर्चा की और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वय जारी रखने पर सहमत हुए। 27 मई को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से इराक के लिए संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमआई) के जनादेश को एक साल के लिए नवीनीकृत कर दिया और चुनावों की निगरानी के लिए एक मजबूत और दृश्यमान टीम प्रदान करने के लिए विशेष प्रतिनिधि जीनिन हेनिस प्लास्चर्ट को अधिकृत किया। 19 जनवरी को, बगदाद सरकार ने इराकी स्वतंत्र उच्च चुनाव आयोग को पूरी तैयारी करने के लिए अधिक समय देने के लिए देश के शुरूआती चुनावों की नई तारीख के रूप में 10 अक्टूबर को मंजूरी दे दी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत जिले में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते दो फर्जी डॉक्टर पकड़े गए

क्रांति समय दैनिक

सूरत ग्रामीण पुलिस ने दो फर्जी डॉक्टरों को पकड़ा है। गुजरात मेडिकल जनरल बिना लाइसेंस के एलोपैथिक और होम्योपैथिक दवाएं दे रहे थे। दो आरोपियों में से एक चंदन कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है और वह कक्षा 12 में फेल हो गया है।

एलेलोपैथी-एम विभिन्न प्रकार की होम्योपैथिक दवाएं थीं जो सूरत पुलिस को मिली थी खुफिया ग्रामीण, बगुमारा कुएं कडोदरा क्षेत्र में अभ्यास कर रहे दो फर्जी डॉक्टर हैं। सूचना के आधार पर गांव की पुलिस ने दोनों जगहों पर जाकर चंदन कुमार चौधरी और अवधेश कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया. दोनों गुजरात मेडिकल जनरल की प्रैक्टिस के लिए बिना लाइसेंस के अस्पताल चला रहे थे। साथ ही, रोगी विभिन्न प्रकार की दवाओं का अभ्यास कर रहे थे जैसे कि एलोपैथी-होम्योपैथी बिना चिकित्सा और चिकित्सा पद्धति के उपकरण के बिना डिग्री के साथ-साथ भारतीय चिकित्सा परिषद और गुजरात चिकित्सा परिषद के पंजीकरण प्रमाण पत्र के बिना। दोनों आरोपी बिना डॉक्टर की डिग्री के मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।

जिन दो डॉक्टरों के चिकित्सा उपकरण और दवाएं जब्त की गईं, उनमें

चंदन कुमार चौधरी हिमानी क्लिनिक में प्रैक्टिस कर रहे थे और बिहार के मूल निवासी हैं। अवधेश कुमार सिंह उत्तर प्रदेश के मूल निवासी बताए जाते हैं। चंदन कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है और वह कक्षा 12 में फेल हो गया है। जिसके खिलाफ गुजरात मेडिकल प्रैक्टिशनर 1963 की धारा 30 और 31 के तहत कडोडोरा जीआईडीसी थाने में मामला दर्ज किया गया है. दोनों आरोपियों के पास से मेडिकल प्रैक्टिस उपकरण और ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

कई फर्जी डॉक्टरों के पकड़े जाने की संभावना है.ग्रामीण सूरत समेत सूरत शहर में भी ऐसे फर्जी डॉक्टर फर्जी डिग्री लेकर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं. यदि जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम व पुलिस टीम समय-समय पर क्षेत्र में संचालित क्लीनिकों के डॉक्टरों के प्रमाण पत्र की जांच के लिए अभियान चलाती है तो कई फर्जी डॉक्टरों के पकड़े जाने की संभावना है. पूर्व में भी सूरत शहर के पांडेसरा, उधना, लिंबायत जैसे इलाकों में ऐसे फर्जी डॉक्टर पकड़े जा चुके हैं। जिले में भी अगर स्वास्थ्य विभाग की टीम ज्यादा सतर्क होकर काम करने लगे तो ऐसे कई डॉक्टर काम आ सकते हैं.

क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने गुजरात प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भरूच शहर के नागरिकों को १२ सीएनजी सिटी बस की अहम सौगात दी है। विजय रूपाणी ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत 'मुख्यमंत्री शहरी बस सेवा' के तहत भरूच नगर पालिका द्वारा शुरू की गई सिटी बस सेवा का शनिवार को गांधीनगर से ई-लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरूच के लोगों की सुविधा तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदूषण रोकने के लिए सीएनजी बस सेवा का आज से शुभारंभ किया गया है। भरूच शहर में ९ रूट पर कुल १२ सीएनजी शहरी बस सेवा शहर के नागरिकों के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि पूरा गुजरात पर्यावरण की रक्षा के लिए क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने को प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भरूच और अंकलेश्वर के विकास के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एशिया के सबसे बड़े केमिकल पोर्ट दहेज का विकास भी उनके कार्यकाल के दौरान हुआ है। एलएनजी टर्मिनल और गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी) सहित कई केमिकल कंपनियों के विकास के मार्फत आधुनिक शहर का स्वरूप दिया है। इसके परिणामस्वरूप भरूच में रोजगार में बढ़ोतरी होने से अनेक लोग आकर बसे

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भरूच शहर को 12 सीएनजी सिटी बसों की सौगात

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

पूर्व मेयर के पुत्र की हत्या के आरोप में भाजपा नगर पार्षद के पति समेत 6 लोग गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

जूनागढ़,जूनागढ़ पुलिस ने शहर के पूर्व महापौर के पुत्र की हत्या के मामले में भाजपा की महिला नगर पार्षद के पति समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य साजिश करता भाजपा नगर पार्षद का पति है। जूनागढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महापौर लाखाभाई परमार के पुत्र धर्मेश परमार 2 जून को जूनागढ़ के बिलखा रोड से अपनी एक्टिवा पर गुजर रहे थे। उस वक्त तीन हमलावरों ने तीक्ष्ण हथियारों से धर्मेश पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गए थे। धर्मेश परमार को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए जूनागढ़ पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाईं और घटना के ही दिन तीन आरोपियों को राजकोट के गोंडल से गिरफ्तार कर लिया। बाद में मुख्य साजिशकर्ता और भाजपा की महिला नगर पार्षद के पति संजय उर्फ बाडियो सुरेशभाई उर्फ दुलाभाई सोलंकी को मध्य प्रदेश के टिकरी गांव से दबोच लिया।पुलिस ने इस मामले में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें कमलेश उर्फ मच्छर सुरेश सोलंकी, संजय उर्फ बाडियो सुरेश सोलंकी, ऋषिकाज उर्फ लाला रश्मीकांत ठाकोर, सुरेश उर्फ सूर्या सामत, राहुल उर्फ बुलियो रमेश परमार और रामजी उर्फ रामभाई जीवराज वाला शामिल है। जूनागढ़ पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासम के मुताबिक मृतक धर्मेश परमार और संजय सोलंकी के बीच काफी समय से तकरार चल रही थी। संजय सोलंकी ने धर्मेश परमार की हत्या की साजिश रची थी। कमलेश उर्फ मच्छर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया।

हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता सजंय उर्फ बाडियो सोलंकी जूनागढ़ महानगर पालिका के वार्ड 15 की महिला पार्षद ब्रिजिशा सोलंकी का पती है।

सार-समाचार

अलथाण में कक्षा 12 के छात्र की संदिग्ध मौत, घर के बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिला था

सूरत,शहर के अलथाण क्षेत्र में रहने वाले 12वीं कक्षा के विद्यार्थी की संदिग्ध मौत से परिवार शोक में डूब गया। बीते दिन घर के बाथरूम में बेहोशी की हालत मिले विद्यार्थी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां देर रात विद्यार्थी की मौत हो गई। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी। जानकारी के मुताबिक सूरत के अलथाण क्षेत्र की चंदन पार्क सोसायटी में रहनेवाला और कक्षा 12वीं का छात्र 17 वर्षीय ललित सुरेन्द्र शर्मा अपने घर के बाथरूम में गिरकर बेहोश हो गया था। कुछ गिरने की आवाज सुनकर ललित का छोटा भाई बाथरूम की ओर गया। जहां ललित को फर्श पर गिरा देख तुरंत अपने पिता को बुला लाया। सुरेन्द्र शर्मा तुरंत ललित को अस्पताल ले गए। अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात ललित की मौत हो गई। शव का नए सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही ललित की मौत के कारणों का पता चलेगा। ललित का मौत से परिवार शोक में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर गुजरात में एक दिन के राजकीय शोक का ऐलान

अहमदाबाद,मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति अनिरुद्ध जगन्नाथ का बीते दिन 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। अनिरुद्ध जगन्नाथ के निधन पर भारत सरकार ने शनिवार को एक दिवसीय राजकीय शोक का ऐलान किया है। गुजरात में भी सरकार आज एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। आज दिन के दौरान राज्य में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इसके साथ ही कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। अनिरुद्ध जगन्नाथ मोरीशस के दो दफा राष्ट्रपति और 6 बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उन्हें 2020 में भारत के दूसरी सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानत किया गया था। जिसके बाद उनके पूर्वज वहीं बस गए। अनिरुद्ध जगन्नाथ के निधन से उत्तर प्रदेश के बलिया में शोक व्याप्त है।

राज्य में पांच दिन रहेगा बरसाती माहौल, बीते 24 घंटों में राज्य की 82 तहसीलों में बारिश

अहमदाबाद,आगामी 5 दिन राज्य में बरसाती माहौल रहेगा और इस दौरान खासकर सौराष्ट्र में बारिश होने कीसंभावना है। दक्षिण गुजरात में 48 घंटों के दौरान बारिश की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्तकी है। उत्तरी गुजरात और दक्षिण गुजरात में भी बारिश हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

लंबी आयु की कामना के साथ वाराणसी में मनाया सीएम योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस

लखनऊ। भगवान शिव की नगरी वाराणसी में शनिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दौरान उनके समर्थकों ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक कर लंबी आयु की कामना की। जिले में कई स्थानों पर भगवान शिव का दुग्धाभिषेक कर सीएम के लंबी आयु की गई कामना की गई। इस दौरान हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने दुग्धभिषेक कर जन्मदिन पर मंगलकामना की। वाराणसी के गोरक्षनाथ मंदिर में सीएम के जन्मदिन के अवसर पर दुग्धाभिषेक का आयोजन किया गया। इस दौरान समर्थकों ने सीएम की तस्वीर को सामने रखकर भगवान शिव का अभिषेक किया।

गोवा हवाई अड्डे पर 57 लाख रुपये मूल्य का सोना जब्त, जांच में जुटी पुलिस

पणजी। सीमा शुल्क के हवाई खुफिया इकाई ने गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर केरल के एक व्यक्ति के पास से 57 लाख रुपये मूल्य का सोना बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति से यह जानकारी मिली। बयान में बताया गया कि केरल का रहनेवाला नवास (पूरे नाम का खुलासा नहीं किया गया)एयर अरेबिया के विमान से शारजाह से यहां पहुंचा था और उसके पास से 1,276 ग्राम की कुल 11 सोने की सिल्लियां मिलीं, जिसकी कीमत 57.75 लाख रुपये है। आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आंतकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार जब्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के मनयाल इलाके में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ करके वहां से एक एके-47 राइफल समेत पांच आग्नेयास्त्र और कुछ अन्य आपत्तिजनक चीजें बरामद की। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना और पुलिस ने थानामंडी के आजमताबाद क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने के बाद मनयाल, डाना और कोपरा में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान संयुक्त दल ने मनयाल में एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और चार पिस्तौल के साथ आठ मैगजीन और 105 गोलियां बरामद की। इसके अलावा एक एके राइफल, दो मैगजीन और 54 गोलियां तथा रस्सी बरामद हुई। इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

तीन दिवसीय दौरे पर बंगाल पहुंचेगा केन्द्रीय दल, यास तूफान से हुए नुकसान का लेंगे जायजा

कोलकाता। चक्रवाती तूफान यास के कारण हुए नुकसान का जायजा लेने केलिए सात सदस्यीय केन्द्रीय दल रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एस के शाही के नेतृत्व वाला अंतरमंत्रालयी दल रविवार को सबसे पहले दक्षिण 24 परगना जिले में पहुंचकर तूफान के कारण हुए नुकसान का जायजा लेगा। उसके बाद अगले दिन वह पूर्व मेदिनीपुर जाएगा। अधिकारी के मुताबिक केन्द्रीय दल तीन दिनों तक तूफान प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन करेगा और उसके बाद नौ जून को दिल्ली लौट सकता है।

महाराष्ट्र सोमवार से लॉकडाउन प्रतिबंध हटाएगा, शुरू होगी पांच-स्तरीय अनलॉक प्रक्रिया

मुंबई। शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की कि वह अपनी अनलॉक योजना के माध्यम से सोमवार से लॉकडाउन प्रतिबंध हटा देगी। महाराष्ट्र में लॉकडाउन में कोविड पॉजिटिविटी रेट और राज्य में ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता के आधार पर ढील दी जाएगी। यह आदेश सोमवार से लागू हो जाएगा। एक बयान में, महाराष्ट्र सरकार ने कहा, ॠमहाराष्ट्र में ष्टह्रङ्कढ्ढष्ठ सकारात्मकता दर और ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता के आधार पर लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी।ॠ कई जिलों में कोविड-19 की गंभीरता के स्तर के अनुसार छूट तय की गई है। गाइडलाइंस के मुताबिक लोक स्वास्थ्य विभाग हर गुरुवार को स्थिति का आकलन करेगा। योजना के तहत, लेवल 1 में आने वाले जिलों और शहरों में कम से कम प्रतिबंध होंगे, जबकि लेवल 5 में लॉकडाउन जैसे प्रतिबंध शामिल होंगे। बता दें कि मुंबई अनलॉक के लेवल 2 में आ जाएगी। महाराष्ट्र सरकार की घोषणा के अनुसार, लेवल 1 जिलों में मॉल, थिएटर और सभी दुकानें सामान्य संचालन फिर से शुरू कर सकती हैं। स्तर 2 जिलों में, मॉल और थिएटर 50 प्रति क्षमता पर काम कर सकते हैं, जबकि 3, 4 और 5 स्तर के जिले कुछ प्रतिबंधों के साथ काम कर सकते हैं। घोषणा के एक दिन बाद महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री विजय वडेट्टीवार ने कहा कि राज्य के 36 में से 18 जिलों में मामले की सकारात्मकता दर और अस्पताल के बिस्तर पर रहने के आधार पर प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र ने शुक्रवार को 14,152 नए कोविड -19 मामले और 289 मौतें दर्ज कीं। राज्य ने लगातार पांचवें दिन 20,000 से कम मामले दर्ज किए हैं।

दिल्लीः कोविड-19 से जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा के परिजनों को मिले 1 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।।(एजेंसी)।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा दीपचंद के परिवार को 1 करोड़ रुपये का चैक सौंपा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय दीपचंद ऐसे कोरोना योद्धा थे, जिन्होंने दूसरों की जान बचाते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है।

दिवंगत दीप चंद कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे थे। दीप चंद दिल्ली के अस्पताल में बने कोविड वार्ड में कार्यरत थे। यहां पर अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्होंने कई लोगों की जान बचाई। वह केवल 48 वर्ष के थे जब वे कोविड-19 के कारण इस दुनिया से चले गए। दीप चंद के परिवार में उनके माता-पिता के साथ-साथ पत्नी और दो बच्चे हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को स्वर्गीय दीप चंद के परिवार से मुलाकात की। सत्येंद्र जैन ने परिवार से मुलाकात कर अपनी शोक और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिल्ली सरकार की ओर से परिवार को 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि भी भेंट की।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि इस कठिन समय में हम परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय दीप चंद एक ऐसे कोरोना योद्धा थे, जिन्होंने दूसरों को बचाते हुए अपनी जान गंवाई है। इस कठिन समय में दिल्ली सरकार परिवार के साथ खड़ी है। सत्येंद्र जैन ने कहा कि स्वर्गीय दीप चंद कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे थे। दिल्ली सरकार द्वारा परिवार को 1 करोड़ रुपये का चैक दिया गया है। हम उनके बलिदान के ऋणी हैं। वह एक ऐसे कोरोना योद्धा थे जिन्होंने दूसरों की जान बचाते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

कोरोना संक्रमण होने का खतरा फ्रंटलाइन वर्कर्स को सबसे अधिक है क्योंकि वे कोरोना मरीजों के करीब रहते हैं। पिछले साल दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि वह उन सभी फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी जिनकी मृत्यु ड्यूटी के दौरान कोविड से संक्रमित होने की वजह से हुई है। तब से अब तक कई फ्रंटलाइन वर्कर्स के परिवारों को दिल्ली सरकार द्वारा 1 करोड़ रुपये की सम्मान राशि दी जा चुकी है।

केंद्र सरकार के भ्रम के कारण पैदा हुआ कोविड-19 की दूसरी लहर का संकटः अमर्त्य सेन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा कि भारत सरकार ने 'भ्रम में रहते हुए' कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए काम करने के बजाय अपने कामों का श्रेय लेने पर ध्यान केंद्रित किया जिससे 'स्किजोफ्रेनिया' की स्थिति बन गई और काफी दिक्कतें पैदा हुई। स्किजोफ्रेनिया एक गंभीर मनोरोग है जिसमें रोगी वास्तविक और काल्पनिक संसार में भेद नहीं कर पाता। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने शुक्रवार देर शाम को राष्ट्र सेवा दल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत अपने दवा निर्माण के कौशल और साथ ही उच्च रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण महामारी से लड़ने के लिए बेहतर स्थिति में था। सेन की ये टिप्पणियां कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर की पृष्ठभूमि में आयी हैं।

कुछ प्रतिष्ठित लोगों का कहना है कि पहले ही ''विजयी'' होने की भावना से यह संकट पैदा हुआ। सेन ने कहा कि सरकार में भ्रम के कारण संकट से खराब तरीके के निपटने की वजह से भारत अपनी क्षमताओं के साथ काम नहीं कर सका। उन्होंने कहा, ''सरकार ने जो किया उसका श्रेय लेने की इच्छुक दिखाई दी जबकि उसे यह सुनिश्चित करना था कि भारत में यह महामारी न फैले। इसका नतीजा काफी हद तक स्किजोफ्रेनिया जैसा था।'' हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर सेन ने 1769 में एडम स्मिथ के लिखे एक लेख के हवाले से कहा कि अगर कोई अच्छा काम करता है तो उसे उसका श्रेय मिलता है और श्रेय कई बार एक संकेत होता है कि कोई व्यक्ति कितना अच्छा काम कर रहा है। सेन ने कहा, ''लेकिन श्रेय पाने की कोशिश करना और श्रेय पाने वाला अच्छा काम न करना बौद्धिक नादानी का एक स्तर दिखाता है जिससे बचना चाहिए।

21वीं सदी के भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल एथेनॉलः पीएम मोदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि भारत कृषि उपयोग के लिए एथेनॉल के उत्पादन और उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और इस क्षेत्र में विकास के लिए एक रोडमैप शुरू हो गया है, क्योंकि यह 21वीं सदी के भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक बन गया है। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि आज, हमने 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लिया है। मोदी ने कहा कि भारत ने आज (शनिवार) इस अवसर पर एक और बड़ा कदम उठाया है और इथेनॉल क्षेत्र के विकास के लिए एक विस्तृत रोडमैप जारी किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देश भर में इथेनॉल के उत्पादन और वितरण के लिए महत्वाकांक्षी ई-100 पायलट परियोजना भी पुणे में शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि अब एथेनॉल 21वीं सदी के भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक बन गया है। इथेनॉल पर ध्यान देने से पर्यावरण के साथ-साथ किसानों के जीवन पर भी बेहतर प्रभाव पड़ रहा है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को 21वीं सदी की आधुनिक सोच और आधुनिक नीतियों से ही ऊर्जा मिलेगी। इस सोच के साथ हमारी सरकार लगातार हर क्षेत्र में नीतिगत फैसले ले रही है। आभासी सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत एक बड़ी वैश्विक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है चाहे वह अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन हो, जो एक सूर्य, एक विश्व, एक ग्रिड, या आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे की पहल के लिए गठबंधन के दृष्टिकोण को पूरा करता हो। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली चुनौतियों के बारे में भारत की जागरूकता का भी उल्लेख करते हुए कहा कि हम भी इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 6-7 साल में रिन्यूएबल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) की हमारी क्षमता में 250 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। भारत वर्तमान में स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में जगह बना चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में सौर ऊर्जा की क्षमता में लगभग 15 गुना वृद्धि हुई है। मोदी ने कहा, आज भारत दुनिया के सामने एक मिसाल कायम कर रहा है कि जब पर्यावरण की रक्षा की बात आती है तो ऐसा करते समय विकास कार्यों को रोकना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों एक साथ चल सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं और भारत ने यही रास्ता चुना है। जलवायु की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने पर्यावरण की रक्षा के प्रयासों को संगठित करने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा, जब देश का प्रत्येक नागरिक जल, वायु और भूमि का संतुलन बनाए रखने के लिए संयुक्त प्रयास करेगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित वातावरण दे पाएंगे।

उत्तराखंड में चुनाव को लेकर भाजपा जल्द ही करेगी चिंतन बैठक, खास मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

उत्तराखंड में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होंगे और इसके लिए बीजेपी जल्द ही चुनाव की तैयारियों और अपनी रणनीति को लेकर एक विचार बैठक करेगी। एक खबर के मुताबिक इसी महीने चिंतन बैठक हो सकती है। इस बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जा सकती है। अब सवाल है कि क्या पार्टी सीएम चेहरे के साथ ही चुनाव लड़ेगी या संयुक्त नेतृत्व में? सत्ता में फिर से कैसे लौटना है जैसे कई मुद्दो पर इस बैठक में चर्चा की जा सकती है। बता दें कि इस चिंतन बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा होगी जिसको लेकर किसी भी नेता के मन में है और जिसका असर आगामी चुनाव में देखने को मिल सकता है। एनबीटी से बात करते हुए बीजेपी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने बताया कि तीन दिवसीय दौरे पर आए राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने कोरोना से जूझ रहे लोगों को राहत कैसे पहुंचाई जाए इसको लेकर चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि आगामी विचार बैठक में चुनाव को लेकर चर्चा अहम है। बीजेपी ने कोरोना संकट के दौर में लोगों से जुड़ने के लिए भी कार्यक्रम तय कर लिए हैं। कौशिक के मुताबिक, उत्तराखंड में जिस जिले को कोरोना मुक्त घोषित किया गया है, पार्टी वहां अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का सम्मान करेगी।

भाजपा के लिए चुनौती?

उत्तराखंड में चुनाव होंगे और भाजपा की चुनौती भी उतनी ही बढ़ रही है क्योंकि उत्तराखंड का इतिहास गवाह है कि यहां हर साल पांच साल में सत्ता बदल जाती है और अगर बीजेपी इस वक्त सत्ता में बनी हुई है तो इसका मतलब सत्ता विरोधी लहर भी बनेगी। अब चुनौती यह है कि भाजपा इससे कैसे उबरेगी, इसको लेकर भी बैठक में चर्चा होगी। आपको बता दें कि उत्तराखंड भाजपा के भीतर गुटबाजी कोई राज नहीं है। बीजेपी के लिए चुनाव से निपटना और एकजुट चेहरा दिखाना हमेशा से ही चुनौती भरा रहा है। कुछ समय पहले ही भाजपा ने उत्तराखंड का सीएम बदला है और इस दौरान भी कई नेता खुद के सीएम बनने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन भाजपा ने एक रावत को गढ़वाल से हटा दिया और दूसरे रावत को सीएम का पद दे दिया। इससे कई नेता नाराज भी हुए, हालांकि भाजपा ने इस समस्या को बेलेंस करने की पुरजोर कोशिश की थी लेकिन अब इसका असर आगामी चुनाव में देखने को मिल सकता है।

पर्यावरण संरक्षण में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका, पूर्व मध्य रेलवे की सभी ट्रेनों में बयो टॉयलेट

हाजीपुर। (एजेंसी)।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूर्व मध्य रेल द्वारा व्यापक पैमाने पर रेल विद्युतीकरण, ट्रेनों का मेमू रेक में परिवर्तन, एचओजी, बयो टयलेट आदि कार्यों का निष्पादन किया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि भारतीय रेलवे दुनिया में पहली रेलवे है, जिसने ट्रेनों में पर्यावरण अनुकूल बायो टायोलेट परियोजना को लागू किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत पूर्व मध्य रेल की सभी ट्रेनों को बयो टॉयलेट से युक्त किया जा चुका है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भारतीय रेल बड़ी हरित रेल बनने की ओर अग्रसर है तथा इसको सन 2030 तक जीरो कार्बन उत्सर्जक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कुमार ने बताया, पूर्व मध्य रेल के 87 प्रतिशत रेलखंड को विद्युतीत किया जा चुका है जिन पर विद्युत इंजन से ट्रेनों का परिचालन हो रहा है। इससे पर्यावरण सुधार के साथ ही ईंधन की बचत हो रही है और समय पालन में भी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, वर्ष 2020-21 में लगभग 311 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया। इस क्रम में कुल 4220 रूट किलोमीटर में से 3640 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। पूर्व मध्य रेल के 5 मंडलों में से समस्तीपुर मंडल के कुछ रेलखंडों को छोड़कर शेष 4 मंडल शत-प्रतिशत किए जा चुके हैं। पर्यावरण संरक्षण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हुए पूर्व मध्य रेल की एलएचपी कोचों से परिचालित होने वाली लगभग 58 टेनों में हेड अन जेनरेशन सिस्टम लगा दिया गया है।

कांग्रेस ने केरल के मुख्यमंत्री से भाजपा के कथित हवाला रैकेट की न्यायिक जांच की मांग की

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को उन आरोपों की न्यायिक जांच का आदेश देने की चुनौती दी, जिसमें कथित तौर पर भाजपा पार्टी के उम्मीदवार के लिए बड़ी संख्या में पैसों को उत्तरी केरल के कोझीकोड से एर्नाकुलम ले जाया जाया जा रहा था ,जो 3 अप्रैल को चोरी हो गया था। यह रकम 6 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कथित तौर पर ले जाया जा रहा था। मामले की जांच कर रही केरल पुलिस ने मध्य स्तर के कुछ भाजपा नेताओं विशेषकर त्रिशूर जिले के नेताओं से पूछताछ की है। शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ लोकसभा सदस्य के. मुरलीधरन ने विजयन से न्यायिक जांच का आदेश देने की हिम्मत दिखाने को कहा। उन्होंने कहका, सभी जानते हैं कि केरल उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय से न्यायिक जांच करवा पाना संभव नहीं है। इसलिए विजयन को किसी सेवानिवृत्त सर्वोच्च या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच का आदेश देने का साहस दिखाना

चाहिए, क्योंकि अब तो भाजपा नीत राजग के एक सहयोगी ने भी कहा है कि उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा से पैसा मिला है। उन्होंने कहा, कोरोना की दूसरी लहर देश में फैली, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों पश्चिम बंगाल में प्रचार कर रहे थे। वहां पैसे का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया गया था और इसलिए कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन केरल में ऐसा समझा जाता है कि प्रत्येक भाजपा उम्मीदवार को 3 करोड़ रुपये मिले और यहां चूंकि इसका इस्तेमाल प्रचार के लिए नहीं किया गया था, आरोप सामने आए हैं। इसलिए विजयन को न्यायिक जांच का आदेश देना चाहिए और अगर ऐसा किया जाता है, तो इसमें मोदी की भूमिका भी सामने आ सकती है। एक व्यक्ति ने त्रिशूर ग्रामीण पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराई कि भूमि लेनदेन के लिए अग्रिम धन के रूप में भुगतान करने के लिए अपने वाहन में 25 लाख रुपये रखे थे, जो त्रिशूर-कोडकारा राजमार्ग पर चोरी हो गए। माकपा के कार्यवाहक सचिव और सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के संयोजक ए. विजयराघवन ने तब आरोप लगाया था कि यह पैसा हवाला धन है जिसका इस्तेमाल भाजपा अपने चुनावी खर्च के लिए कर रही है और यह पैसा पार्टी उम्मीदवारों के लिए है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा हवाला नेटवर्क के लिए जिम्मेदार है और कहा कि यह पहली बार है जब राज्य में इतना बड़ा धन हस्तांतरण हुआ है। विजयराघवन ने तब आरोप लगाया था कि इस सौदे के पीछे भाजपा के वरिष्ठ नेता थे।

गोवा में कोरोना की तीसरी लहर से बच्चों को बचाने की तैयारी शुरू

पणजी।(एजेंसी)।

कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर के साथ समझदारी से न निपट पाने और पूरी तैयारी न होने के चलते गोवा की खूब आलोचना की गई और अब प्रमोद सावंत की सरकार ने तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है, जिसकी चपेट में बच्चों के अधिक आने की उम्मीदें लगाई जा रही हैं। दूसरी लहर के चरम पर होने के दौरान गोवा के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान गोवा मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कमी के चलते लगभग 100 बच्चों की मौत हो गई थी। इस त्रासदी ने स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे पर सवालिया निशान लगा दिया था।

तीसरी लहर से निपटने की तैयारी में सावंत ने नए स्थापित विशेष कार्य बल के अध्यक्ष के रूप में स्वास्थ्य प्रशासन की बागडोर अपने हाथों में ले ली है। इसकी स्थापना आसन्न संकट से निपटने के लिए किया गया है। इस फोर्स के द्वारा राज्य में 120 से अधिक बाल रोग विशेषज्ञों को ट्रैक करने का काम शुरू कर दिया गया है, जिन्हें अगले सप्ताह से वेंटिलेटर प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए जाएंगे। सावंत के अनुसार, नर्सों को भी तीसरी लहर के दौरान बच्चों से संबंधित कोविड आपात स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा, गोवा में लगभग 120 बाल रोग विशेषज्ञ हैं। वरिष्ठतम बाल रोग विशेषज्ञों के अलावा, हम इनमें से बाकियों को वेंटिलेटर ऑपरेशन में प्रशिक्षित करेंगे। नर्सों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। डॉक्टरों और नर्सों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 जून से शुरू होने की उम्मीद है। ऑक्सीजन में कमी, प्रशिक्षित जनशक्ति की कमी और साथ ही मौजूदा स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में कमियों के चलते दूसरी लहर के दौरान राज्य सरकार की आलोचना हुई थी। इस दौरान राज्य में प्रतिदिन के हिसाब से लगभग 3,000 नए मामले सामने आ रहे थे। हालांकि अब ऐसा लगता है कि सावंत के नेतृत्व वाले प्रशासन ने इससे सबक लिया है और दूसरी लहर के दौरान पैदा हुई खामियों को दूर करने की प्रक्रिया में है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)